@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

सोमवार, 1 जून 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 207 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एक और टीएमसी सांसद से मारपीट

• हुगली में कल्याण बनर्जी पर हमला; काले झंडे दिखाए, चोर-चोर के लगे नारे

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हुगली में हमला हुआ है। कल्याण बनर्जी आज टीएमसी कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए ज्ञापन देने गए थे। दावा किया गया है कि उसी दौरान उन पर हमला हुआ। गौरतलब है कि कल टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भी हमला हुआ था। सोनारपुर में चुनाव बाद हुई हिंसा के पीड़ितों से मिलने पहुंचे अभिषेक बनर्जी के साथ धक्का मुक्की हुई और उनके कपड़े फाड़ दिए गए। इस दौरान उन पर अंडे फेंके गए और अभिषेक बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी की गई।

प्रदर्शनकारियों ने कल्याण बनर्जी के खिलाफ लगाए चोर-चोर के नारे-

कल्याण बनर्जी रविवार को हुगली के चंडीतला पुलिस स्टेशन में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ ज्ञापन देने पहुंचे थे। इस दौरान उनका विरोध शुरू हो गया और प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काले झंडे दिखाए और उनके खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कथित तौर पर उन पर हमला किया गया। जिससे उनके सिर में चोट आने का दावा किया गया है। कल्याण बनर्जी के खिलाफ भी चोर-चोर के नारे लगाए गए। हमले के बाद कल्याण बनर्जी अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालात को नियंत्रित किया।

कल्याण बनर्जी का आरोप, बोले- 'मुझ पर जानलेवा हमला किया गया'

हमले के बाद मीडिया से बात करते हुए कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया है कि चंडीतला थाना प्रभारी से मुलाकात करने और ज्ञापन सौंपने जाते समय उन पर हमला किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह घटना उनकी हत्या की कोशिश थी। बनर्जी ने कहा, 'चंडीतला थाने के प्रभारी अधिकारी से मिलने और ज्ञापन देने के लिए मैं कार से जा रहा था। चंडीतला बाजार में भारी ट्रैफिक जाम होने के कारण मैं अपने पीएसओ के साथ चंडीतला क्रॉसिंग पर पैदल चल रहा था, जो चंडीतला थाने से लगभग 50 किलोमीटर दूर है।'

भावुक हुए त्विषा के पिता, कहा-यह लड़ाई सिर्फ मेरी बेटी के लिए नहीं

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के 16 एवेन्यू सोसायटी निवासी त्विषा शर्मा की मौत के मामले में शनिवार शाम सोसायटी के निवासियों ने शांतिपूर्ण मार्च निकालकर न्याय की मांग को बुलंद किया। इस दौरान त्विषा शर्मा के पिता नवनीधि शर्मा ने भावुक शब्दों में अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा कि उनकी लड़ाई केवल बेटी के लिए न्याय की नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था के खिलाफ भी है, जहां पीड़ित परिवार को अपनी बात सुनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। नवनीधि शर्मा ने कहा, %घटना के बाद हम एफआईआर दर्ज कराने के लिए दर-दर भटकते रहे। हमने अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन लंबे समय तक यानी 15 मई तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उस समय हमें ऐसा महसूस हुआ कि हम केवल एक घटना से नहीं, बल्कि एक ऐसे सिस्टम से लड़ रहे हैं, जहां प्रभावशाली लोगों के कारण निष्पक्ष कार्रवाई प्रभावित हो सकती है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सनातन संस्कृति में वृक्षों, पहाड़ों, नदियों और प्राणियों की पूजा की परंपरा रही है। वेदों में प्रकृति की पूजा को साक्षात ईश्वर की उपासना माना गया है। प्रकृति के विभिन्न तत्वों यथा- अग्नि, वायु, जल एवं पृथ्वी को देव स्वरूप माना गया है। **5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस का अवसर वार्षिक औपचारिकता न होकर प्रकृति के प्रति हमारी साझी कृतज्ञता का ज्ञापन होना चाहिए।**

सनातन परंपरा में वर्णित **तीन ऋणों- देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण में देव ऋण का सीधा संबंध प्रकृति से है।** जल, वन, भूमि और समस्त सृष्टि का संरक्षण ही इस ऋण से उऋण होने का मार्ग है। हमारी संस्कृति में वृक्ष केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि देवत्व, जीवन, ज्ञान, स्वास्थ्य और लोककल्याण के जीवंत प्रतीक हैं। **कुछ दिन पूर्व ही लाखों माताओं और बहनों ने वट सावित्री व्रत रखा था। यह प्रकृति से हमारी संस्कृति के प्रगाढ़ संबंधों को दर्शाता है। छठ और महाकुम्भ जैसे महापर्व इसी अमूर्त आस्था के प्रतीक हैं।**

आज वृक्ष, जल संरक्षण और नदियों के पुनर्जीवन का संकल्प पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। **'जल है तो हम हैं'-यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का सार है। पारिस्थितिकी के प्रति हमारी संवेदनशीलता का ही प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश में शेखा झील पक्षी अभयारण्य को मिलाकर रामसर स्थलों की संख्या 12 हो गई है।** प्रदेश सरकार की नदियों के पुनरुद्धार की 'एक जनपद एक नदी योजना' की सफलता दर्शाती है कि यदि समाज और शासन मिलकर प्रयास करें, तो प्रकृति को संरक्षित किया जा सकता है।

मैं प्रदेश के युवाओं से विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि वे जल संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण और नदियों के संरक्षण का सशक्त आधार बनें। युवा ऊर्जा और सहभागिता ही हरित एवं समृद्ध उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति है। **प्यारे बच्चों, आपसे भी एक बात कहना चाहूंगा। हर वर्ष अपने जन्मदिन या किसी विशेष अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें।**

आइए, विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी प्रकृति के संरक्षण, जलस्रोतों के संवर्धन और वृक्षों की रक्षा का संकल्प लें। सुरक्षित, स्वच्छ और समृद्ध पर्यावरण ही विकसित प्रदेश का आधार है।

आपका
योगी आदित्यनाथ

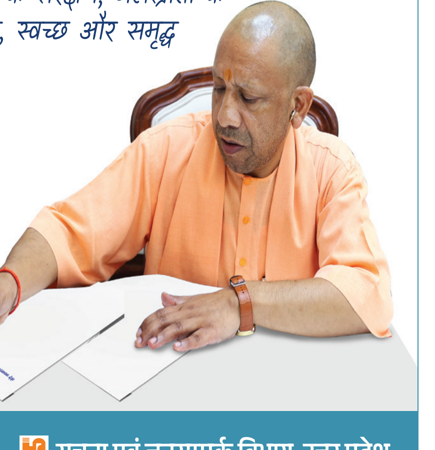

सुरक्षित पर्यावरण समृद्ध भविष्य

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

दिल्ली में इमारत गिरने चार लोगों की मौत

• बम फटने जैसी आई आवाज, धूल-चीखें और मची अफरा-तफरी

एजेंसी

बेंगलुरू। दक्षिण दिल्ली के साकेत में इमारत गिरने के हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है, वहीं 10 घायल हो गए हैं। घायलों में तीन महिला और सात पुरुष हैं। वहीं पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मालिक को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है।

हादसा उस वक्त हुआ जब सातवीं मंजिल की छत ढालने की तैयारी हो रही थी। वेस्टर्न मार्ग स्थित गली नंबर-5 में हुई। हादसे का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें इमारत भरभराकर गिरती नजर आ रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत एक कमर्शियल प्रॉपर्टी थी, जिसकी पहली और दूसरी मंजिल पर कई निजी कार्यालय थे। घटना के समय पास के एक प्लॉट पर बनी रसोई में कुछ मेडिकल छात्र मौजूद थे। जब इमारत का मलबा उस पर गिरा, जिससे रसोई भी ढह गई। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह तक दमकल विभाग, एनडीआरएफ, लोगों की पहचान गुरुग्राम के 26 साल के तरुण कुमार, बिहार की 27 साल की साइका खान, सैदुल्लाजाब की 25 साल की नीलम यादव,

डीडीएमए और स्थानीय पुलिस की मदद से मलबे से 14 लोगों को बाहर निकाला गया। सभी को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में से एक की पहचान 26 वर्षीय रवि के रूप में हुई है। घायलों में आठ सैदुल्लाजाब के 24 साल के आदित्य शर्मा, नोएडा के 25 साल के क्षितिज प्रताप, साकेत के 25 साल के अनुज दीक्षित, सैदुल्लाजाब की 25 साल की आस्था और साकेत के 24 साल के विशाल के रूप में हुई है।

गुजरात के गढ़ में आरसीबी की ऐतिहासिक जीत

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। पिछले सीजन में पंजाब किंग्स को हराकर टीम पहली बार चैंपियन बनी आरसीबी ने इस बार खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए नया इतिहास रच दिया। रविवार को अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। गुजरात के लिए वाशिंगटन सुंदर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत संतुलित रही। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए अर्धशतक लगाया और टीम की जीत की नींव रखी। आरसीबी ने 18 ओवर में पांच विकेट खोकर 161 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। आरसीबी ने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतकर 18 साल के इंतजार को खत्म किया था। इसके बाद 2026 में लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी बादशाहत कायम रखी। आईपीएल इतिहास में यह आरसीबी का दूसरा खिताब है। आरसीबी ने आईपीएल इतिहास में कुल पांचवीं बार फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले टीम 2009, 2011, 2016 और 2025 में फाइनल खेल चुकी थी। हालांकि 2009, 2011 और 2016 में उसे हार का सामना करना पड़ा था। 2025 में पहली बार चैंपियन बनने के बाद टीम ने 2026 में भी खिताब जीतकर अपने सुनहरे दौर को आगे बढ़ाया। आठ ओवर का खेल पूरा हो चुका है और आरसीबी ने दो विकेट पर 88 रन बना लिए हैं। फिलहाल विराट कोहली 38 और रजत पाटीदार 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच 17 गेंदों में 25 रनों की साझेदारी हो चुकी है। आरसीबी को दूसरा झटका रबाडा ने दिया। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल को अरशद खान के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ एक रन बना सके। अब विराट कोहली का साथ देने रजत पाटीदार आए हैं।

विशाखापत्तनम में खड़ी लॉरी से टकराई आरटीसी बस, तीन की मौत, सात घायल

एजेंसी

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना जिले के गाजूवाका क्षेत्र की है। रविवार तड़के एक आरटीसी बस और सड़क किनारे खड़ी लॉरी के बीच टक्कर हो गई, इसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा श्रीनगर इलाके के पास रविवार सुबह 4 बजे हुआ। आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की एक बस सड़क पर खड़ी लॉरी से जा टकराई। हादसे में बस चालक और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सात अन्य यात्री घायल हो गए, जिन्हें विशाखापत्तनम के किंग जॉर्ज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि बस राजमहेंद्रवरम से विजयनगरम जिले के रामभद्रपुरम जा रही थी। बस में कुल 30 यात्री सवार थे। राहगीरों से सूचना मिलने के बाद गाजुवाका पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एपीएसआरटीसी की सुपर लग्जरी बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राज्य के परिवहन मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

देश के 27वें नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कार्यभार संभाला

• ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा स्तर बनाने का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के 27वें नौसेना प्रमुख के तौर पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी जिन्दगी का हर दिन नौसेना को बेहतर, मजबूत, तेज और ज्यादा असरदार बनाने में लगाएंगे, ताकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास के हितों की सेवा कर सके। उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी कि भारतीय नौसेना ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा लेवल बनाए रखे, ताकि वह देश की सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा कर सके। उन्होंने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि ॠभारतीय नौसेना संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिस पर मेरा मुख्य फोकस होगा। भारतीय नौसेना को दुनिया में सबसे बेहतरीन प्रोफेशनल माना जाता है इसलिए सभी कर्मचारियों की भलाई, व्यावसायिक प्रदर्शन और व्यक्तिगत विकास मेरे

लिए सबसे ज्यादा महत्व रखेंगे।' उन्होंने निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के लिए उनकी बहुत सराहनीय और शानदार सर्विस रही है और वे बहुत ही प्रभावी सीएनएस रहे हैं। उन्होंने अपने नेतृत्व में हर मोड़ पर नौसेना को अपने गाइडेंस और विजन का फायदा दिया है।

ममता बनर्जी पर अस्पताल के सीईओ को धमकाने का आरोप

• भाजपा नेता ने साझा किया वीडियो

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता देबजीत सरकार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है।

उनका दावा है कि इस वीडियो में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए कोलकाता के मिंटो पार्क स्थित एक निजी अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को धमकाती हुई दिखाई और सुनाई दे रही हैं। देबजीत सरकार ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल प्रमाणपत्र का भी हवाला

दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मेडिकल रिपोर्ट में कोई गंभीर चोट नहीं मिलने के बावजूद ममता बनर्जी अस्पताल प्रबंधन पर अभिषेक बनर्जी को भर्ती करने का दबाव बना रही थीं।

भाजपा नेता बोले- जनता के भरोसे को कमजोर कर रहीं

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, 'यह राजनीतिक मकसद से चिकित्सा संस्थानों के दुरुपयोग की चिंताजनक कोशिश है। अस्पतालों का काम मरीजों का इलाज उनकी चिकित्सीय जरूरत के आधार पर करना है, न कि राजनीतिक सुविधा के अनुसार। डॉक्टरों, प्रशासकों या स्वास्थ्य संस्थानों को डराने-धमकाने की कोई भी कोशिश जनता के भरोसे को कमजोर करती है और लोकतंत्र तथा सुशासन के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है।'

सीबीएसई रिजल्ट विवाद पर छात्रों के साथ राहुल गांधी ने की चर्चा

• केंद्र सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई के छात्रों से मुलाकात की और हाल ही में रिजल्ट को लेकर चल रहे विवाद पर बातचीत की। छात्रों ने राहुल गांधी से अपनी समस्याओं को लेकर बात की और बताया कि जब उन्होंने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया तो किस तरह उन्हें ट्रोल किया गया। उन्हें देशद्रोही और देश का दुश्मन तक बताया गया। छात्रों के साथ बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा, 'मेरे साथी 'राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंटों' के साथ एक खुलासा करने वाली बातचीत। वेदांत और उनके दोस्त प्रतिभाशाली, बहादुर युवा भारतीय हैं, जिन्होंने सीबीएसई और मोदी सरकार से सरल प्रश्न पूछे लेकिन जवाब के बजाय उन्हें अपमान मिला। वे एक उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के

हकदार हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें यह मिले।' वीडियो में छात्र बताते हैं, 'लोगों ने मुझे देशद्रोही, पाकिस्तानी और डीप स्टेट एजेंट तक कह दिया।' एक छात्र ने बताया, 'जब मैंने अपनी फिजिक्स की उत्तर पुस्तिका देखी, तो मुझे लगा कि मेरा पेपर अच्छा हुआ था लेकिन नंबर अच्छे नहीं मिले। मैंने अपनी उत्तर पुस्तिका मांगी लेकिन मुझे पता चला कि यह मेरी कॉपी ही नहीं है।'

छात्र ने बताया कि इसके बाद उसने इस मुद्दे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उठाया। उसे लोगों का समर्थन मिला लेकिन जब बड़ी संख्या में लोगों ने उसका समर्थन किया, तो कुछ लोगों को लगा कि वे डीप स्टेट एजेंट हैं और भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। वे उन्हें सोरोस का एजेंट कहने लगे।

इस पर राहुल गांधी ने कहा, 'बीच में सोरोस आ गया, पाकिस्तान भी आ गया, हर कोई आ गया। यह तो पागलपन है। तुम लोगों ने कुछ किया भी नहीं।

समाचार और विचार में स्पष्ट अंतर जरूरी: उपराष्ट्रपति

• उपराष्ट्रपति ने कोट्टायम में दीपिका मलयालम दैनिक के 140वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया

एजेंसी

कोट्टायम (केरल)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने केरल में दीपिका मलयालम दैनिक के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पत्रकारिता में समाचार और विचार के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखने की आवश्यकता को बताते हुए कहा कि संपादकीय विचार व्यक्त करने का स्थान है, जबकि समाचारों को तथ्यपरक और निष्पक्ष रहना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने रविवार को केरल के कोट्टायम में दीपिका मलयालम दैनिक के 140वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और इस अवसर पर दीपिका एक्सीलेंस अवॉर्ड्स प्रदान किए। उपराष्ट्रपति ने दीपिका के 140 वर्षों के सफर को समर्पण, साहस, विश्वसनीयता और जनसेवा की उल्लेखनीय विरासत बताया। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी में सीमित संसाधनों के बावजूद एक समाचार

पत्र की शुरुआत अत्यंत चुनौतीपूर्ण और साहसिक कार्य था।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का धर्म है अच्छे कार्यों की सराहना करना और गलत कार्यों की निष्पक्ष आलोचना करना। रचनात्मक पत्रकारिता समाज को प्रेरित करती है और राष्ट्र निर्माण को मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों की जिम्मेदारी केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें उम्मीद, नवाचार, करुणा और वैज्ञानिक प्रगति से जुड़ी सकारात्मक कहानियों को भी सामने लाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के डिजिटल युग में फेक न्यूज, व्यावसायिक दबाव और त्वरित सूचना प्रवाह जैसी चुनौतियां बढ़ी हैं, जिससे मीडिया की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। दीपिका आने वाले समय में भी पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी के पत्रकारों को प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री वीडी सतीसन, विधानसभा अध्यक्ष सहित कई लोग उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति ने कर्नाटक के बेल्थंगडी में सीरी मातृश्री इंडस्ट्रियल पार्क का किया उद्घाटन

पराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्थंगडी स्थित सीरी मातृश्री इंडस्ट्रियल पार्क का उद्घाटन किया। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, उद्घाटन समारोह में उन्होंने कहा कि समृद्ध ग्रामीण भारत का सपना सीरी जैसे संस्थानों के माध्यम से साकार हो सकता है, जिन्होंने महिलाओं और ग्रामीण परिवारों को रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर देकर सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता हमेशा सभी धर्मों का सम्मान करती रही है और भक्ति, किसी भी धर्म से जुड़ी हो, सामाजिक सद्भाव और नैतिक शक्ति को मजबूत करती है। सभी धर्मों का समान सम्मान होना चाहिए लेकिन किसी भी प्रकार का बलपूर्वक धर्मांतरण प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सीरी संस्थान के संस्थापक डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के लिए एक संदेश है।

पर्यटकों से भरी कार चंबा की खाई में गिरी, 8 की मौत

-होटल प्रबंधन ने पुलिस को दी थी सूचना

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ चुराह उपमंडल में बैरागढ़–साच पास–किलाड़ मार्ग पर पर्यटकों से भरी एक एर्टिगा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के दो परिवारों के सात सदस्यों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना 29 मई की आधी रात को घटित हुई। हादसे के बाद से ही कार में सवार सभी लोग लापता थे और उनके बचने की उम्मीद न के बराबर थी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा मौके पर सघन खोज से पता चला की 8 की मौत हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले दो परिवारों के सात लोग हिमाचल प्रदेश में छुट्टियां बिताने और घूमने के लिए आए थे। ये सभी पर्यटक चंबा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डलहौजी के एक होटल में ठहरे हुए थे। 29 मई की सुबह वे सभी गाड़ी किराये पर लेकर साच पास की तरफ साइट सीन (घूमने) के लिए निकले थे। तय कार्यक्रम के अनुसार पर्यटकों को उसी दिन शाम तक वापस डलहौजी के होटल में लौटना था, जहाँ उन्होंने एडवांस बुकिंग करा रखी थी। जब देर रात तक भी पर्यटक वापस होटल नहीं लौटे और होटल प्रबंधन का उनसे किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो सका, तो उन्होंने अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने होटल प्रबंधन की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल लोकेशन और रास्तों की कड़ियों को जोड़ते हुए तलाश शुरू की, जिसके बाद इस भीषण हादसे का पता चला।

गुरुग्राम की ओम साईराम फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों का माल स्वाहा

गुरुगांव (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में मुशदपुर-खुसरपुर गांव के पास स्थित ओम साईराम फैक्ट्री में शनिवार–रविवार की दरमियानी रात करीब 1-40 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि उसने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान में उठती आग की गगनचुंबी लपटों और धुएं के गुबार से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। राहत की बात यह है कि रात का समय होने के कारण फैक्ट्री में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा जानी नुकसान टल गया। फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को रात 1-40 बजे इस हादसे की सूचना मिली। शुरुआत में पटौदी फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुँची, लेकिन हालात बेकाबू देखकर तुरंत अन्य फायर स्टेशनों से अतिरिक्त मदद मांगी गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मानेसर, भीम नगर, सेक्टर-37 और सेक्टर-29 सहित कुल छह फायर स्टेशनों से 8 फायर टेंडरों (गाड़ियों) को काम पर लगाया गया। फायर कर्मियों ने फैक्ट्री को चारों तरफ से घेरकर घंटों तक पानी की बौछारें कीं, लेकिन रविवार सुबह तक भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। आग लगने की असली वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन शुरुआती तौर पर इसे शॉर्ट सर्किट का नतीजा माना जा रहा है। इस भीषण अग्निकांड में फैक्ट्री की इमारत के साथ-साथ भीतर रखा कीमती कच्चा माल, तैयार उत्पाद और मशीनें जलकर पूरी तरह खाक हो गई हैं। आशंका है कि इस हादसे में करोड़ों रुपये का भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझने और कूलिंग का काम संपन्न होने के बाद फैक्ट्री के भीतर सर्च अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं और फैक्ट्री मालिक से सुरक्षा मानकों व एनओसी से जुड़े दस्तावेज भी तलब किए गए हैं।

मेघालय में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप, जानमाल सुरक्षित

ईस्ट गैरो हिल्स (एजेंसी)। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने रविवार सुबह मेघालय के पश्चिमी खासी हिल्स जिले में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया। सुबह 6-50 बजे आए इन झटकों से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप का केंद्र पश्चिम खासी हिल्स में 10 किलोमीटर की गहराई में था, जो चेरापूंजी से लगभग 77 किलोमीटर डब्ल्यूएनडब्ल्यू दिशा में स्थित था। चूंकि इसकी तीव्रता कम और गहराई उथली थी, इसलिए इसका प्रभाव सीमित रहा और स्थानीय लोगों ने मामूली कंपन ही महसूस किया। किसी भी क्षति या हानि की कोई रिपोर्ट नहीं है। इससे कुछ घंटे पहले एनसीएस ने ताजिकिस्तान में 5.2 तीव्रता का मध्यम भूकंप भी दर्ज किया था, जिसका केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई में था। भारतीय उपमहाद्वीप, खासकर उत्तर–पूर्वी भारत, सक्रिय फॉल्ट लाइनों पर होने के कारण भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील है। यह क्षेत्र भारतीय और यूरेशियन प्लेटों की टेक्टॉनिक गतिविधियों के कारण अक्सर कंपन महसूस करता है। मेघालय में 1897 में आया 8.1 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए थे।

दिल्ली में तीन मंजिला इमारत ढही, एक की मौत, आठ घायल

- दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके का मामला, इमारत में चल रहे थे कोचिंग संस्थान और कैफे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके में शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां सैदुलजाब के वेस्टर्न मार्ग पर एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गई। इस दर्दनाक घटना में 26 वर्षीय एक युवक की जान चली गई, जबकि आठ अन्य लोगों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, यह हादसा शनिवार देर शाम को हुआ, जब एक व्यस्त व्यावसायिक भवन ढह गया। इस इमारत में एक कोचिंग संस्थान, कैफे और कई कार्यालय संचालित हो रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय इसकी ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य जारी था, जिससे इमारत की संरचनात्मक अखंडता प्रभावित हुई हो सकती है। इमारत पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई और उसका मलबा पास में स्थित टिन शेड वाली कैंटीन पर जा गिरा, जहां मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र अक्सर आते–जाते थे। मृतक की पहचान 26 वर्षीय रवि के रूप में हुई है। घायलों में गुरुग्राम निवासी तरुण कुमार (26), बिहार के मोतिहारी निवासी साइका खान (27) और सैदुलजाब निवासी नीलम यादव (25) सहित आठ अन्य लोग शामिल हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित विभिन्न एजेंसियों तथा स्थानीय निवासियों ने मिलकर व्यापक बचाव अभियान चलाया और सभी घायलों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

सीबीएसई छात्रों से मिले राहुल गांधी, परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर उठाए सवाल

–बच्चों से मुलाकात का वीडियो किया साझा और बोले— सवाल पूछने वाले छात्रों को जवाब की जगह अपमान मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर छात्रों से बातचीत की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए दावा किया कि अपनी समस्याओं को लेकर सवाल उठाने वाले छात्रों को समाधान के बजाय आलोचना और अपमान का सामना करना पड़ा। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया।

साझा किए गए वीडियो में राहुल गांधी कुछ छात्रों से परीक्षा परिणामों और उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा करते दिखाई दे रहे हैं। इनमें वेदांत नामक छात्र भी शामिल है, जिसने पहले अपनी उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन में कथित त्रुटि का मुद्दा उठाया था। छात्र का दावा है कि जब उसने अपनी फिजिक्स की उत्तरपुस्तिका की प्रति प्राप्त की, तो उसमें उसकी लिखावट नहीं थी और किसी अन्य छात्र की उत्तरपुस्तिका उससे संबद्ध दिखाई गई थी।

वीडियो में वेदांत ने बताया कि परीक्षा अच्छी होने के बावजूद अपेक्षा से कम अंक मिलने पर उसने उत्तरपुस्तिका की कॉपी मंगाई। दस्तावेज देखने पर उसे अपनी लिखावट नहीं मिली, जिसके बाद उसने इस मामले को सार्वजनिक किया। छात्र ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को उठाने के बाद उसे सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा और उसे आपत्तिजनक टिप्पणियों का निशाना बनाया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वीडियो साझा करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि उन्होंने अपने 'देशद्रोही' और 'सोरोस एजेंट' कहे जाने वाले साथियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये छात्र प्रतिभाशाली और साहसी युवा हैं, जिन्होंने केवल अपनी समस्याओं को लेकर सवाल पूछे, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कांग्रेस नेता ने कहा कि छात्रों को बेहतर और सुरक्षित भविष्य मिलना चाहिए तथा उनकी समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

बातचीत के दौरान कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रश्न उठाने पर उन्हें 'एंटी नेशनल' या 'डीप स्टेट एजेंट' जैसे शब्दों से संबोधित किया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान तभी संभव है जब उसे स्वीकार किया जाए। उनका कहना था कि समस्याओं को स्वीकार करने के बजाय छात्रों को ही दोषी ठहराना उचित नहीं है।

हालांकि, राहुल गांधी ने अभी केवल बातचीत का एक अंश ही साझा किया है और पूरी चर्चा सार्वजनिक नहीं की है। इस बीच परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों की पारदर्शिता को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

दक्षिण भारत में मानसून की दस्तक, 3–4 जून तक पहुंच सकता है केरल–तमिलनाडु

- व्यापक बारिश के साथ तापमान में कमी की संभावना, कई जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट जारी

चेन्नई (एजेंसी)। । क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के ताजा अनुमान के अनुसार दक्षिण–पश्चिम मानसून 3 या 4 जून तक केरल, तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में दस्तक दे सकता है। इसके आगमन से दक्षिणी राज्यों में व्यापक बारिश होने और धीरे–धीरे तापमान में कमी आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून पहले ही 30 मई तक अरब सागर, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र और बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। अगले तीन से चार दिनों में इसके और प्रगति करने के लिए मौसमी परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि, 1 जून तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों में दिन का तापमान सामान्य से 2–3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। शनिवार को चेन्नई में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहा और तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। विभाग ने अनुमान जताया है कि 2 जून से मानसूनी गतिविधियों के बढ़ने के साथ तापमान सामान्य स्तर पर लौटने लगेगा। मौसम विभाग ने रविवार के लिए नीलगिरि, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, डिंडीगुल, थेनी, करूर, तिरुचिरापल्ली, नमक्कल, इरोड, सलेम समेत तमिलनाडु के कई पश्चिमी और दक्षिणी जिलों तथा पुडुचेरी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में 40–50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज–चमक की भी संभावना है। 1 और 2 जून को भी भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है, खासकर थेनी और तेनकासी जैसे जिलों में। शनिवार को तिरुनेलवेली जिले के ऊथू और नालुमुक्कू, इरोड के अम्मापेट्टई और कोयंबटूर के थोलमपालायम में सबसे अधिक 7 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो मानसून पूर्व अच्छी गतिविधि का संकेत है।

सम्राट सरकार को रोहिणी की चुनौती, अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए

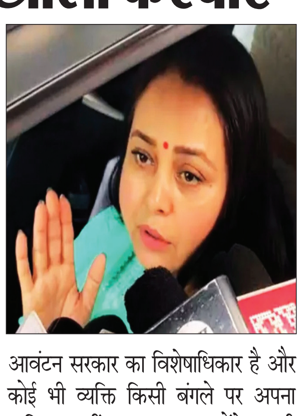

पटना,(एजेंसी)। पटना में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर आवास को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार द्वारा 15 दिनों में बंगला खाली करने के आदेश के बाद राबड़ी और उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने बिहार सरकार को सीधी चुनौती दी है। रोहिणी आचार्य ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध, सत्ता के अहंकार बताया।

खुद राबड़ी देवी ने साफ कहा था कि वह घर खाली नहीं करेंगी, और सरकार चाहे, तब उन्हें बलपूर्वक बेदखल कर सकती है। गौरतलब है कि वे एक दशक से अधिक समय से इस आवास में रह रही हैं, जिसे पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते पिछली नीतीश कुमार सरकार ने उन्हें आवंटित किया था।

यह सरकारी बंगला वर्तमान में दुग्ध एवं मत्स्य पालन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। भवन निर्माण विभाग की मंत्री और जद (यू) की वरिष्ठ नेता लेशी सिंह ने विवाद पर कहा कि बंगलों का आवंटन सरकार का विशेषाधिकार है और कोई भी व्यक्ति किसी बंगले पर अपना अधिकार नहीं जता सकता। उन्होंने राबड़ी देवी को विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर आवंटित 39 आवास में स्थानांतरित होने की सलाह दी। वहीं, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने भी मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री से मां समान राबड़ी देवी का अपमान न करने की अपील की। उन्होंने मुख्यमंत्री चौधरी को अहंकार छोड़कर बदले की राजनीति से बचने और आवंटित मंत्री को कोई दूसरा आवास देने का सुझाव दिया। इस तरह, राबड़ी आवास का यह विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में बदलता दिख रहा है।

महंत शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख, मठ प्रशासन सरकार अलग नहीं कर सकती: सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि किसी भी आश्रम या मठ का महंत अपने शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख होता है, जिसका पद और संपत्ति से जुड़े प्रशासनिक कार्य एक-दूसरे से अविभाज्य हैं। जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस एस एस चंदूरकर की पीठ ने जोर दिया कि मठाधीश के धार्मिक और सांसारिक कार्यों को सरकार अलग नहीं कर सकती, क्योंकि महंत पद में आध्यात्मिक दायित्व और संपत्ति का प्रबंधन दोनों ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि धर्मनिरपेक्ष कार्यों को स्थायी रूप से सरकारी अधिकारियों को सौंपना संविधान के अनुच्छेद-26 और महंत पद की मूल अवधारणा का उल्लंघन है। मठाधिपति केवल एक प्रशासनिक अधिकारी नहीं होता, बल्कि वह अपने शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख और मार्गदर्शक होता है। यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थित ऐतिहासिक 'श्री स्वामी हाथीरामजी मठ' के मठाधिपति अर्जुन दास को पद से हटाने और मठ के प्रशासन के लिए सरकारी प्रशासक की नियुक्ति के आंध्र प्रदेश सरकार के फैसले को रद्द करते हुए आई।

शीर्ष अदालत ने उडुपी शहर में मौजूद शिरूर मठ मामले में दिए अपने ऐतिहासिक निर्णय का हवाला दिया। कोर्ट ने कि महंत पद की अवधारणा में पद और संपत्ति, कर्तव्यों और व्यक्तिगत हितों दोनों के तत्व आपस में इस तरह से घुले-मिले होते हैं कि इनमें से किसी को भी दूसरे से अलग नहीं कर सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि महंत केवल मठ की सांसारिक संपत्तियों का प्रबंधक

मात्र नहीं होता, बल्कि वह शिष्यों के एक समुदाय का आध्यात्मिक प्रमुख और श्रेष्ठ होता है, जिसे आंध्र प्रदेश धर्मार्थ और हिंदू धार्मिक संस्थाएं और बंदोबस्ती अधिनियम, 1987 द्वारा भी मान्यता प्राप्त है। पीठ ने कहा कि कोई भी ऐसी व्यवस्था जो किसी मठाधीश के धार्मिक कार्यों को उसके प्रशासनिक और धर्मनिरपेक्ष कार्यों से स्थायी रूप से अलग करने का प्रयास करती है, या बाद वाले कार्यों को किसी अन्य व्यक्ति को अनिश्चित काल के लिए सौंपती है, भले ही वैध मठाधिपति अपने पद पर बना रहे, वह महंत पद की मूल अवधारणा का ही खंडन मानी जाएगी।

रेप पीड़िता को गर्भपात की अनुमति : हाईकोर्ट ने कहा प्रजनन अधिकारों का सम्मान जरूरी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में 16 वर्षीय रेप पीड़िता को गर्भपात कराने की इजाजत दे दी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी महिला को अपने शरीर और प्रजनन संबंधी निर्णय लेने का पूरा अधिकार है, इस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त जीवन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान, विशेष लोक अभियोजक सविता पाठक ने पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में सामने आया कि पीड़िता करीब सात सप्ताह की जुड़वा बच्चों की गर्भावस्था से गुजर रही थी, जिसमें 19 मार्च को प्रयागराज के महिला अस्पताल में हुए अल्ट्रासाउंड में दोनों भ्रूण जीवित पाए गए थे। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू कनौजिया की पीठ ने सुनवाई कर महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता और प्रजनन संबंधी निर्णयों के सम्मान पर जोर दिया। इलाहाबाद की अदालत ने आदेश में कहा कि नाबालिगों और अनचाही गर्भावस्था से जुड़े मामलों में महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर अनावश्यक बाधाएं नहीं लगा सकतीं, क्योंकि ऐसा करना उनके संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने जैसा होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की कि पीड़िता के परिजनों ने 9 मई को ही जांच अधिकारी को गर्भावस्था की जानकारी दे दी थी, लेकिन इसके बावजूद गर्भपात की प्रक्रिया को लेकर समय पर कोई कदम नहीं उठाया गया। मामले की परिस्थितियों और पीड़िता की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अदालत ने गर्भपात की अनुमति को उचित ठहराया और संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को कानून के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

राहुल ने अभिषेक का जाना हाल कहा- हैदराबाद में करा सकते हैं इलाज

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार देर रात अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें स्ट्रेचर के जरिए उनके घर ले जाया गया। हालांकि, घर पहुंचने के बाद अभिषेक के सीढ़ियां चढ़ने का एक वीडियो सामने आया है, जिसने राजनीतिक हलकों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों को लगातार धमकियां दी जा रही थीं। वहीं दूसरी तरफ इस पूरे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ममता बनर्जी से फोन पर बातचीत की। ममता ने बताया कि राहुल गांधी ने फोन कर अभिषेक के स्वास्थ्य की जानकारी ली और कहा कि यदि किसी भी तरह की जरूरत पड़े, तो उन्हें सूचित करें। उन्होंने अभिषेक के लिए हैदराबाद में बेहतर इलाज की व्यवस्था कराने की पेशकश भी की।

मिंटो पार्क स्थित अस्पताल के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अभिषेक का इलाज अब घर पर ही कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पास एक पारिवारिक डॉक्टर हैं, जो घर पर ही इलाज की व्यवस्था संभालेंगे। अस्पताल को धमकियां मिलने के कारण वे सुचारू रूप से इलाज नहीं कर पा रहे थे। अभिषेक को सलाइन दी जा चुकी है और अब उनका आगे का उपचार घर पर ही जारी रहेगा। उन्होंने घटना की गंभीरता को रेखांकित करते हुए दावा किया कि जिस प्रकार की हिंसा और पत्थरबाजी हुई, उससे अभिषेक बनर्जी की जान भी जा सकती थी।

इस घटना को अत्यंत बर्बर करार देते हुए ममता ने कहा कि राज्य की राजनीति में ऐसा हिंसक व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि सीपीएम 34 साल तक सत्ता में रही, लेकिन उन्होंने भी कभी ऐसा कदम नहीं उठाया। आज जो कुछ भी हुआ, वह बेहद अमानवीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पतालों, डॉक्टरों और आम लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है, जिसका जवाब राज्य की जनता ही देगी। उन्होंने कहा कि अभिषेक आज केवल जनता की शुभकामनाओं और समर्थन की वजह से सुरक्षित हैं। इस घटना के विरोध में तृणमूल कांग्रेस ने अब राजनीतिक आंदोलन तेज करने के संकेत दिए हैं। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि पार्टी कार्यकर्ता रविवार से ही विभिन्न विरोध कार्यक्रम शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी दो तारीख से बड़े पैमाने पर आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके तहत रानी रश्मोनी एवेन्यू सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर राजनीतिक प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। फिलहाल पार्टी नेताओं का कहना है कि अभिषेक बनर्जी की स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

पटना एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से मिले 7 जिंदा कारतूस, मचा हड़कंप

मुंबई जाने की तैयारी में था यात्री, वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए यात्री को तत्काल हिरासत में ले लिया और बाद में उसे एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार यात्री की पहचान महाराष्ट्र के पुणे जिले के फुरसुंगी निवासी संतोष तिवारी के रूप में हुई है। वह पटना से मुंबई जाने वाली उड़ान पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। नियमित सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग को स्कैनर से गुजारा गया, जहां संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर सीआईएसएफ कर्मियों ने बैग की विस्तृत तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद हुए।

सुरक्षा अधिकारियों ने जब संतोष तिवारी से कारतूसों के संबंध में पूछताछ की और उनके वैध लाइसेंस या दस्तावेज मांगे, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसके पास कारतूस रखने या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने से संबंधित कोई अधिकृत दस्तावेज भी नहीं मिला। इसके बाद सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की गई, लेकिन वह यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कारतूस उसके बैग में कैसे पहुंचे और उन्हें मुंबई ले जाने का उसका क्या उद्देश्य था। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया तथा बरामद कारतूस और अन्य सामान को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

युवती के बैग से मिला कारतूस का खोखा

इसी दिन एयरपोर्ट पर एक अन्य घटना भी सामने आई। सुरक्षा जांच के दौरान एक युवती के बैग से कारतूस का एक खोखा बरामद हुआ। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की। युवती ने दावा किया कि उसे यह खोखा रास्ते में पड़ा मिला था और जिज्ञासावश उसने उसे उठाकर अपने बैग में रख लिया था। पुलिस दोनों मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं इन घटनाओं के बीच कोई संबंध तो नहीं है।

बंगाल सीमा पर शुरू हुई फेंसिंग, किसान बोले- अब फसलें नहीं लूट पाएंगे घुसपैठिए

–मुर्शिदाबाद से कूचबिहार तक तेज हुआ सीमांकन और सुरक्षा ढांचे का काम

–45 दिनों में 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को देने का लक्ष्य

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के खुले और संवेदनशील इलाकों में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने कई स्थानों पर फेंसिंग और सुरक्षा ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीमावर्ती गांवों के लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे वर्षों पुरानी घुसपैठ और फसलों की चोरी जैसी समस्याओं पर अंकुश लगेगा।

मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार क्षेत्र में जीरो लाइन पर स्थित सकारपाड़ा गांव इसका प्रमुख उदाहरण बनकर उभरा है। करीब चार हजार की आबादी और ढाई हजार मतदाताओं वाले इस गांव की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है। गांव की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि घरों के बाद खेत और खेतों के बाद सीधे बांग्लादेश की सीमा शुरू हो जाती है। लंबे समय से यहां रहने वाले किसानों को सीमा पार से आने वाले लोगों द्वारा फसल नुकसान और अतिक्रमण की शिकायतों का सामना करना पड़ता रहा है।

ग्राम पंचायत के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा, कि भारतीय किसानों को सुरक्षा कारणों से शाम पांच बजे के बाद खेतों में जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि सीमा पार से लोग कई बार खेतों में घुसकर फसलें काट ले जाते थे। उनका कहना है कि पिछले तीन दशकों में शायद ही कोई महीना ऐसा बीता हो, जब इस तरह के विवाद सामने न आए हों। अब फेंसिंग शुरू होने और बीएसएफ की निगरानी बढ़ने से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

किसानों को सुरक्षा मिलने का विश्वास

ग्रामीणों के अनुसार, बीएसएफ के जवान सीमा क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रहे हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल चेतावनी देते हैं। इससे किसानों को विश्वास मिला है कि उनकी मेहनत की फसल अब पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित रहेगी। नई सरकार के गठन के बाद राज्य प्रशासन ने सीमा सुरक्षा परियोजनाओं के लिए बीएसएफ को अब तक 27 किलोमीटर क्षेत्र की जमीन उपलब्ध कराई है। इनमें 18 किलोमीटर हिस्से में फेंसिंग और नौ किलोमीटर क्षेत्र में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित किए जाने की योजना है। फिलहाल जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलीगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे सीमावर्ती जिलों में काम शुरू किया गया है।

जमीन उपलब्ध कराने में मुर्शिदाबाद सबसे आगे

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक जमीन मुर्शिदाबाद जिले में उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में भी भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। राज्य सरकार ने अगले 45 दिनों के भीतर कुल 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है, ताकि सीमा पर कंटीले तारों की बाड़, चौकियां और अन्य सुरक्षा ढांचे विकसित किए जा सकें।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजीअपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11ः30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12ः30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7ः13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7ः15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एसएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो?ेगा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जो?ती रही। करीब 7ः13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढ़स बंधाया।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए, जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

बनारस में बनेगा प्रदेश का पहला संस्कृत गांव, पहले चरण में पांच का चयन

वाराणसी। सनातन संस्कृति, वैदिक परंपरा और शास्त्रीय ज्ञान की वैश्विक धरोहर काशी अब एक बार फिर इतिहास रचने जा रही है। इसके लिए पहले चरण में प्रदेश के पहले पांच संस्कृत गांव काशी में तैयार होंगे। संस्कृत भारती काशी प्रांत की टीम ने इसके लिए सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। 14 जनवरी के बाद इसकी घोषणा होगी। संस्कृत भारती ने प्रदेश के पहले संस्कृत गांवों को बनाने की दिशा में सर्वे का काम शुरू कर दिया है। पांच गांवों को गोद लिया जाएगा। 14 जनवरी को बैठक के बाद पहले गांव के नाम की घोषणा की जाएगी। एक वर्ष के लिए गांव को संस्कृत भारती गोद लेकर संस्कृत गांव की तरह तैयार करेगी। चयन प्रक्रिया में उन गांवों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिनकी आबादी लगभग एक हजार है, ताकि सीमित जनसंख्या के बीच संस्कृत के प्रयोग को प्रभावी और स्थायी बनाया जा सके। संस्कृत भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष प्रो. रामनारायण द्विवेदी ने अमर उजाला से विशेष बातचीत में बताया कि काशी की आत्मा संस्कृत में ही निहित है। ऐसे में संस्कृत गांव की अवधारणा केवल प्रतीकात्मक नहीं होगी, बल्कि पूरी तरह व्यावहारिक होगी। इसे भी पढ़ें; पूजा के नाम पर ठगी- मटके में रखवाए गहने, मौका मिलते ही जेब में भरकर निकले; शक होने पर पकड़े गए दो फर्जी बाबा चयनित गांवों में दैनिक अभिवादन, सामान्य संवाद, सूचना आदान-प्रदान और सामाजिक आयोजनों में संस्कृत भाषा इस्तेमाल की जाएगी। गांवों के प्रवेश द्वार, गलियों, विद्यालयों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर संस्कृत में सूचना पट्ट लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों को सरल और बोलचाल की संस्कृत का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि भाषा बोझ न बने, बल्कि सहज संवाद का माध्यम बने। एक वर्ष तक ग्रामीणों को संस्कृत का प्रशिक्षण देने के लिए संस्कृत भारती की टीम गांव में ही प्रवास करेगी। हम चाहते हैं कि बातचीत, अभिवादन और सार्वजनिक संवाद संस्कृत में सहज रूप से हो सके। शहरी स्तर पर भी संस्कृत को व्यापक पहचान देने की तैयारी है। वाराणसी के रेलवे स्टेशनों और लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संस्कृत में घोषणाएं कराने जाने की योजना है। इसके साथ ही स्टेशन, एयरपोर्ट और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नाम पट्ट और दिशासूचक बोर्ड संस्कृत भाषा में अंकित किए जाएंगे। बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। दुकानदारों को अपनी दुकानों के नाम संस्कृत में लिखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से काशी को संस्कृत नगरी घोषित करने की मांग की जाएगी। इसका खाका तैयार कर लिया गया है और जल्द ही इसे केंद्र सरकार को भी भेजा जाएगा। काशी पहले से ही काशी हिंदू विश्वविद्यालय, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुकुलों और वैदिक पाठशालाओं के माध्यम से संस्कृत अध्ययन का प्रमुख केंद्र रही है। प्रो. द्विवेदी के मुताबिक संस्कृत विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा संस्कृत है। हर सनातनी के घर में किसी न किसी रूप में संस्कृत का उच्चारण होता है। इसके लिए संस्कृत भारती अभियान शुरू करने जा रही है कि हर सनातनी अपनी भाषा के कालम में संस्कृत को दर्ज करे।

NAME CHANGE

I, SURESH RAV BERKUTTE S/O MURTIRAM R/O E-33, OLD SEEMAPURI EAST DELHI 110095, CHANGED MY NAME TO SURESH.

NAME CHANGE

I, NEELAM POPLI W/O AMIT PURI R/O 2/96- GEETA COLONY EAST DELHI 110031, CHANGED MY NAME TO MUSKAN PURI.

NAME CHANGE

I hitherto known as PRATHAM S/O Chunni Lal R/O 327, gali no 2, Anandpuri, Muzaffarnagar, PO: Muzaffar Nagar City, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251002, have changed my name and shall hereafter be known as PRATHAM SINGH.

NAME CHANGE

It is for general information that I, USHA W/O SUSHIL KUMAR R/O Kunda, Meerut, Uttar Pradesh-250103, declare that name of mine has been wrongly written as USHA DEVI in my minor son namely RAJDEEP CHAPRANA aged 16 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is USHA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, JANVI SRIVASTAV D/O ALOK SHRIVASTAV R/O 436, Intarori, Near Dhaniram Halwai, Bulandshahr, PO: Bulandshahr, District Bulandshahr, Uttar Pradesh-203001, declare that name of my father and my mother has been wrongly written as ALOK SRIVASTAV and SWETA SRIVASTAV in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father and my mother are ALOK SHRIVASTAV and SWETA respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Usha Jain purchasing Freehold Residential Built-Up Property No. T-244, area measuring 126 Sq. yard., approx., With Roof/ Terrace Rights, out of Khasra No. 42, Situated in the area of Village Bindapur, Colony Known as in Block-T, Uttam Nagar, New Delhi-59. from Mr. Kanwar Bhan Jain S/o Mr. Raghunath., initially Smt. Kesar Devi Jain W/o Sh. Kanwar Bhan Jain was the absolute owner by virtue of Notarized General Power of Attorney along with Agreement to Sell dated 24.09.1990., Thereafter Smt. Kesar Devi Jain W/o Sh. Kanwar Bhan Jain died on 23.11.2019., our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Finance Ltd. Branch: Rohini, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

It is for general information that I VARUN S/o SANDEEP KUMAR R/o House No. – 16 Ground Floor Street No. – 14 Block – B JJ Colony , Near Nirankari Bhawan , Shahbad Dairy , Badli , North West Delhi , Delhi – 110042 declare that the name of mine , my Father and my Mother has been wrongly written as VARUN MEHRA , SANDEEP MEHRA and RADHA MEHRA in my 10th Class Educational Documents and in my Birth Certificate No. 1074299. The actual name of mine , my Father and my Mother are VARUN, SANDEEP KUMAR and RADHA , Which may be amended accordingly .

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Silky Devi W/o Mr. Ravi is the owner of Freehold Residential Second Floor, without roof/terrace rights, Built-on Property No. 21, area measuring 45 Sq. Yds., out of Khasra No. 366, Situated in the area of Village Nawada, Delhi State Delhi and the Colony Known as Mohan Garden Extn., in Block MS, Uttam Nagar, New Delhi 110059. by virtue of Notarized GPA, ATS and WILL dated 02.05.2025., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Sahil Kumar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Ayaz Ahmed S/o Mr. Sarfaraz Ahmed is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot land area measuring 89 Sq. Yds., i.e. 74.41 sq. Mtrs., out of Khasra No. 1553, Situated at Mohalla New Abadi Kasba Dadri, out of Khasra No. 1553, Pargana & Tehsil Dadri, Gautam Buddha Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 05.10.2020, uly regd. Doc. No. 15116, Book No. I, Vol. No. 15669, on Page No. 21-160, on dated 05.10.2010, SR- Dadri Gautam Budh in SR-V, Ghaziabad. In the chain of documents, the (1) Death Certificate in the name of Mrs. Kelashwati, (2) Probate Order of Regd. Family Will dated 15.05.2013 are not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Pitampura New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **(1) Sh. Anurag Singh, (2) Sh. Abhishek Singh, (3) Smt. Anuradha Singh & (4) Narender Pratap Singh** in respect of **Residential Plot No. 281, admeasuring 20 sq. yds. Part of Khasra No. 73/18, Situated at Waka Mauja Saran, Tehsil and Distt. Faridabad, Haryana.** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **PIRAMAL Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

It is for general information that I, NAMRATA SINGHANIA alias NAMRATA AGARWAL D/O VED PRAKASH SINGHANIA EX. WIFE OF CHIRDEEP AGARWAL R/O D-51, Sector-09, Vijay Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh 201009 declare that I got divorce from my Ex Husband CHIRDEEP AGARWAL Vide Court Decree MP No. 469/2013 dated 12/04/2017. Further I have changed my name and shall be hereafter known as NAMRATA SINGHANIA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Sh. Pawan Panchal S/o Late Sh. Om Prakash** in respect of **Half Western Portion, Built Up Property bearing No. E-723, admeasuring 29 sq. yds. i.e. 24.25 sq. mtrs., approx. out of Khasra No. 376min, Khata No. 34, Situated in the Area of Village Babarpur, in the Abadi of Gali Talab Wali, Vishwakarma Marg, Babarpur, Illaqa Shahdara, Delhi.** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **PIRAMAL Finance Limited will provide the financial** assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I Arunima Sharma W/o Kshitij Sharma R/o B-1802, 18th Floor, Tower-B, Apex The Kremlin, Siddharth Vihar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009 have changed the name of my minor daughter Kyra Sharma aged 4 years and she shall hereafter be known as Karvika Sharma.

NAME CHANGE

I, Saiyeda Zurriat Habib W/o Shahe Alam R/o H.No.C-1/186, Yamuna Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Saiyed Zurriat.

NAME CHANGE

I,TARMEEN W/O FURQAN, R/O, House No.C-302/6, second floor Abul Fazal Enclave part-II Shaheen Bagh Street No-8 Delhi - 110025,HEREBY DECLARE THAT MY NAME HAS BEEN CHANGED FROM TRMEEM TO TARMEEN, FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I hitherto known as ANIL KUMAR alias ANEEL KUMAR S/o RAM NARAYAN R/o A - 91 , Gali No. - 9 , Bhajanpura , Garhi Mendu , PO : Bhajanpura Pura , Dist : North East Delhi , Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as ANEEL KUMAR.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Faishal Khan purchasing Freehold Residential Western Portion of Plot No.6-G, area measuring 59 Sq. Yds. i.e. 49.33 Sq. Mtrs. Situated at Vikram Residential Colony, Hadbast Village Pasonda, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad, U.P. from Mr. Narender Pal, Ms. Savita, Mr. Vishal & Ms. Anjani Pal., initially Mrs. Rajwati W/o Mr. Moti Lal was the absolute owner by virtue of Sale Deed dated 12.01.2011 Vide Doc No.249, Book No.1, Volume No.6929, on Page Nos.67-96, Registered on 12.01.2011, in S.R-III Ghaziabad., Thereafter Mrs. Rajwati W/o Mr. Moti Lal had died on 08.12.2023., our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अमर लाल शर्मा पुत्र श्री भगवत शर्मा, संपत्ति संख्या 23जी, संपत्ति आईडी 1CG1QVF5, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खेवट/खाता संख्या 156/174 और खेवट/खाता संख्या 157/175, खसरा संख्या 26(2-11) 27(3-14) में स्थित संपत्ति के स्वामी हैं, जो सरस्वती एन्क्लेव 1 नामक कॉलोनी, खंडसा गांव, तहसील कादीपुर, जिला गुड़गांव, हरियाणा में स्थित है। दिनांक 17.07.2025 को श्रीमती ममता सहरावत पत्नी श्री आज़ाद सिंह द्वारा श्री अमर लाल शर्मा पुत्र श्री भगवत शर्मा के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया था, जो एसआर-कादीपुर में दस्तावेज़ संख्या 4996 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। कि (1) मूल पंजीकृत श्री संजय विश्वास द्वारा श्री आज़ाद सिंह के पक्ष में दिनांक 14.08.2019 को निष्पादित उक्त संपत्ति (100 वर्ग गज) से संबंधित जीपीए, एटीएस और वसीयतनामा 20/05/2026 को गुम हो गया, जिसकी सूचना हरियाणा पुलिस, जिला गुरुग्राम को आवेदन संख्या- 132270512600712 के तहत दी गई थी। यदि किसी को यह संपत्ति मिले तो कृपया इसे अधोहस्ताक्षरी को लौटा दें और यदि इसका दुरुपयोग होता है तो इसका जोखिम स्वयं ग्राहक का होगा। मेरी मुवक्किल अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहती हैं। यदि किसी को उक्त गिरवी पर कोई आपत्ति हो या संपत्ति में किसी का कोई दावा, अधिकार या हित हो तो कृपया 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 31/5/2026

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री कृष्ण पाल सिंह पुत्र श्री वेद राम उर्फ़ वेद राम सिंह, निवासी 281, ग्राम रईसपुर-2, पोस्ट रईसपुर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201002, एक आवासीय प्लाट संख्या -25, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 169, स्थित के वी एंक्लेव, ग्राम रईसपुर, परगना डासना, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1426-1431 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल उक्त कथित सम्पत्ति को श्रीमती सुशीला राय पत्नी रमाशंकर राय को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा आर डी सी, राज नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE

I hitherto Known as IQBAL SINGH alias IQBAL SINGH SIDANA S/o JOGINDER SINGH , Residing at 132 , A Pocket U And V Block B , Shalimar Bagh S.O , North West Delhi, Delhi - 110088 have changed my name and shall hereafter be known as IQBAL SINGH SIDANA .

NAME CHANGE

I, ASHISH KUMAR TIWAREWAL S/O ARVIND KUMAR TIWAREWAL R/O 168 WARD NO-12, GAJARU TOLA, SISWA BAZAR NICHLAUL MAHARAJ GANG UTTAR PRADESH 273163, CHANGED MY NAME TO ASHISH KUMAR FOR ALL PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री हकरामुद्दीन की पत्नी श्रीमती नरगिस ने गौतम बुद्ध नगर जिले, दादरी तहसील, परगना लोनी, छजारसी गांव में स्थित खसरा संख्या 536min./2 और खाता संख्या 00145 में उल्लिखित 50 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले आवासीय मकान के संबंध में दिनांक 15.12.2021 को पंजीकृत जीपीए (एटीएम और नसीयत आदि के साथ) के माध्यम से, विधिवत पंजीकृत दस्तावेज़ के रूप में, अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। क्रमांक 1402, पुस्तक क्रमांक 1, खंड क्रमांक 1703, पृष्ठ 19-38, दिनांक 15.12.2021, एसआर-1, गौतम बुद्ध नगर, श्रीमती शकीला बेगम, पत्नी श्री रशीद अहमद द्वारा निष्पादित, उक्त संपत्ति श्री असलम को मेची जानी है, और इसका वित्तपोषण एसएमएफनी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई निनाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Sanjeev Kumar** is purchasing the PORTION OF PLOT BEARING NO.71, LAND AREA MEASURING 50 SQ. YDS. I.E. 41.81 SQ. MTRS., OUT OF KHASRA NO.44/22, SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGE HASTSAL, DELHI STATE DELHI AND THE COLONY KNOWN AS MOHAN GARDEN, BLOCK L-2A, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059 from Mr. Nitin who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 27.12.2025 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Mahbooob Khan** in respect of **Built Up Third floor, with roof rights out of Property/plot No. RZ-B-132-A, area measuring 60 Sq. yds., out of Khasra No. 59/1, situated in the area of Village Bindapur, in Colony Known as Janki Puri., Uttam Nagar New Delhi. 110059.** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I Ramandeep s/o Fakir Chand R/O House no.71, 2nd floor, Sector-47, Gurgaon Haryana 122018. Have changed my name Ramandeep Kaushik for all purpose.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Shashi Gupta** is the owner of ENTIRE SECOND FLOOR, WITHOUT ROOF AND TERRACE RIGHTS, BEARING PART OF PROPERTY MPL. NO.2239 (OLD) AND 3338 (NEW), HAVING ITS AREA MEASURING 292.63 SQ. MTRS., SITUATED AT WARD NO.IX, KUCHA KASHGIRI, BAZAR SITA RAM, DELHI-110006 **vide Sale Deed dated 15/06/2023 which is registered as doc no. 6014, vol no. 20011, pages 15-167, SR-III** and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Shiv Kumar** is the owner of Residential plot measuring 100 Sq. yrds. out of Khasra no. 1084 situated at Pink City Second Colony , Dadri, Gautam Budh Nagar, U P vide **Sale Deed** dated 09.09.2024 which is registered as Doc no. 47587 vol no. 28671 pages 285-306 dated 09.09.2024 in SRO Dadri and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** That the **Original Sale Deed dated 10.06.2008 executed by Mrs. Shabnam in favour of Mrs. Shikha Goyal in respect of said property. Doc no. 6682 vol no. 1285 pages 127-138 dated 10.06.2008 in SRO Dadri is lost/Misplaced.** Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NOTICE

My clients Chanderwati w/o Virender R/o D-212/5 Hari Nagar Extn., Part 3rd Jaitpur, Badapur, South Delhi, New Delhi - 110044. Have severed all relations and disowned their son Jitender Singh and his wife Vandana from their movable and immovable property due to disobedience. My clients shall not be responsible for any of his civil and criminal liabilities.

SAGAR SAXENA,
VINAY BHUSHAN
(ADVOCATE)
CHEMBER NO. 606,
SAKET COURT,
NEW DELHI-110017

NAME CHANGE

I, hitherto known as MAHENDRI W/O KHEM CHAND SAINI R/O Lisaadi Road, Lisari Meerut, Uttar Pradesh-250002, have changed my name and shall hereafter be known as RAMBATI.

NAME CHANGE

I Ramandeep s/o Fakir Chand R/O House no.71, 2nd floor, Sector-47, Gurgaon Haryana 122018. Have changed my name Ramandeep Kaushik for all purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as NISHI alias CHOUDHARY UNNATI D/o UDHAM SINGH, R/o Distt.: Hapur, Hoshdarpur Garhu, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245201 have changed my name and shall hereafter be known as CHOUDHARY UNNATI.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मुथूट होमफिन (इंडिया) लिमिटेड, जिसका शाखा कार्यालय नोएडा में है, श्रीमती नम्रता चौहान को मुक्तधारित आवासीय फ्लैट संख्या 002, ऊपरी भूतल के सामने की ओर स्थित मध्य फ्लैट (छत के अधिकार के बिना), जिसका क्षेत्रफल 45 वर्ग गज है, की गिरवी के बदले वित्तीय सहायता प्रदान करने का इरादा रखती है। यह फ्लैट प्लॉट संख्या 109 और 110 तथा प्लॉट संख्या 109 भाग 2 और प्लॉट 110 पर बना है, जो खसरा संख्या 352 का हिस्सा है और वंदना विहार, खोरा कॉलोनी, हदबस्त, ग्राम खोरा, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद में स्थित है। प्रारंभ में, मुक्तधारित आवासीय प्लॉट संख्या 109 और प्लॉट 110 का भाग, जिसका क्षेत्रफल 139 वर्ग गज यानी 116.22 वर्ग गज है। खसरा संख्या 352 में से कुछ जमीनें श्री सुंदर लाल गुलाटी पुत्र स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल गुलाटी और श्री सुनील अरोरा पुत्र स्वर्गीय श्री बृजलाल अरोरा के स्वामित्व में हैं, जो दिनांक 14.02.2012 के विक्रय विलेख के अनुसार हैं, जिसे श्रीमती शशि सिंह पत्नी श्री देवेंद्र कुमार सिंह द्वारा निष्पादित किया गया था और दिनांक 14.02.2012 को दस्तावेज़ संख्या 1687 के रूप में विधिवत पंजीकृत किया गया था। इसके बाद, श्री सुंदर लाल गुलाटी पुत्र स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल गुलाटी का निधन हो गया, और वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस छोड़ गए हैं, अर्थात् 1) श्री पंकज गुलाटी (पुत्र) और श्री विनय गुलाटी (पुत्र)। यदि उपरोक्त मृतक व्यक्तियों (श्री नरेश कुमार और श्रीमती रजनी बजाज) के कोई अन्य कानूनी वारिस या दावेदार हैं जिनका उल्लेख ऊपर नहीं किया गया है, तो उनसे अनुरोध है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से (14) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें। तदनुसार, कोई भी व्यक्ति, उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में या मुथूट होमफिन (इंडिया) लिमिटेड के पक्ष में प्रस्तावित बंधक के विरुद्ध किसी भी प्रकार का दावा, अधिकार, स्वामित्व, हित, ग्रहणाधिकार या आपत्ति रखने वाली संस्था/संस्थाओं को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 14 दिनों के भीतर अपने दावों/आपत्तियों को सहायक दस्तावेजों सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है। यदि कोई दावा या आपत्ति हो, तो उसे अधिवक्ता ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल नंबर: +91-9340118309) को प्रस्तुत किया जा सकता है। निर्धारित समयावधि के भीतर कोई उत्तर न मिलने की स्थिति में, यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति से संबंधित कोई दावा, आपत्ति या भार नहीं है, और प्रस्तावित लेनदेन बिना किसी और संदर्भ या आपत्ति के आगे बढ़ेगा।

ऋषि माहेश्वरी (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता: आरजेड-29,
ऊपरी भूतल, भगवती गार्डन जैन रोड,
द्वारका मोड़ के पास, नई दिल्ली 110059।
संपर्क नंबर: +91- 9340118309

NAME CHANGE

I, Shabbir Ahmad S/o Khalil Ahmed R/o House No.220/5, Kali Masjid, Savitri Nagar, Malviya Nagar, Delhi-110017 have changed my name to Shabbir Ahmed.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Sarfaraz Ahmed alias Mohd Sarfaraz S/O Late Sheikh Mohd Sultan, R/O 7374, Sadar Nala Road, sadar bazar, North Delhi, Delhi-110006, have changed my name and shall hereafter be known as SARFARAZ AHMED.

PUBLIC NOTICE

This is for information of General Public that my client Ms. Anita Gupta W/o Mohit Garg who is the owner of Freehold Residential Built-up Entire Ground Floor (without roof rights) built on property bearing No. 178, admeasuring land area 110 sq. yds. i.e. 92 sq. mtr. in Block-A, out of Khasra No. 18/2 situated in the area of Village Bharola colony known as Majlis Park, Delhi-110033 (said property), who has lost Sale Deed having Registration No. 5789, Volume No. 3458, on Pages No. 142 to 148 dated 10.05.2011, Sub-Registrar - VIA Delhi, in favour of Mrs. Preeti Jain, In case, anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed and if no claim/response has been received then it is presumed that there is no claim against the said property.

RAJESH K GUPTA Advocate
F-42/43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
9911440912, 9911703900,
rgadvpnprime21@gmail.com

NAME CHANGE

It is for general information that I, SANJIV KUMAR S/O PRAVIN CHANDRA SUDARSHAN R/O A30, 3RD FLOOR, GALI NO-02, NEW KRISHNA NAGAR, KRISHNA NAGAR, NCT OF DELHI, 110051, declare that name of my father has been wrongly written as PRAVIN KUMAR SUDARSHAN in my 10th class educational document. The actual name of my father is PRAVIN CHANDRA SUDARSHAN which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, No. 14679092K Rank NK Name Makawana Ashokkumar Pratapji, Residing at Vill- Pilwai, Post- Pilwai, Teh- Vijapur, Dist- Mahesana, State- Gujarat, Pin- 382850 inform That I have changed my Son name from Jayrajsinh (old name) to Makvana Jayrajsinh Ashokkumar (new name) Due to mismatch of my daughter name in my service record both names Jayrajsinh to Makvana Jayrajsinh Ashokkumar pertain to one and the same person.

NAME CHANGE

I, No. 14679092K Rank NK Name Makawana Ashokkumar Pratapji, Residing at Vill- Pilwai, Post- Pilwai, Teh- Vijapur, Dist- Mahesana, State- Gujarat, Pin- 382850 inform that I have changed my daughter name from Kavya (old name) to KAVYA ASHOKKUMAR MAKAWANA (new name) Due to mismatch of my daughter name in my service record both names Kavya to KAVYA ASHOKKUMAR MAKAWANA pertain to one and the same person.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अब अनाज भंडारण पर निजी कब्जे की तैयारीः रणदीप सुरजेवाला

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने केंद्र सरकार पर देश की खाद्य सुरक्षा को निजी कंपनियों के हाथों सौंपने का आरोप लगाया है। सुरजेवाला ने कहा कि तीन कृषि कानूनों के जरिए खेती-किसानी पर नियंत्रण स्थापित करने में असफल रही भाजपा सरकार अब साइलो सिस्टम के माध्यम से देश के अनाज भंडारण तंत्र पर कब्जा करवाने की साजिश रच रही है। सुरजेवाला ने कहा कि देश का अनाज भंडारण तंत्र 'अडानी एग्री लॉजिस्टिक लिमिटेड' और 'लीप इंडिया फूड एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड' जैसी कंपनियों के हाथों में केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 5 जून 2020 को अध्यादेश के माध्यम से लाए गए तीन कृषि कानूनों का देशभर के किसानों ने विरोध किया था। लगभग दो वर्षों तक चले किसान आंदोलन और 700 से अधिक किसानों की शहादत के बाद केंद्र सरकार को 19 नवंबर 2021 को इन कानूनों को वापस लेना पड़ा। लेकिन कांग्रेस नेता का आरोप है कि सरकार की नीयत नहीं बदली और उसी सोच का नया स्वरूप साइलो परियोजना के रूप में सामने आया है। सुरजेवाला के अनुसार, वर्ष 2021 के अंत में एफसीआई के माध्यम से लगभग 20,000 करोड़ रुपये की लागत से 60 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाले साइलो कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

पशुबाड़े में आग से दो भैंस व एक गाय की जलकर मौत

जींद। गांव रधाना में पशुबाड़े में शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। आग लगने की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक आग लगने से दो भैंस तथा एक गाय की जिंदा जलने से मौत हो चुकी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव रधाना निवासी महेंद्र ने मकान के साथ पशुबाड़ा बनाया हुआ है। जिसमें पशु बांधने के साथ पशुचारे का भी भंडारण किया था। दोपहर बाद अचानक पशुबाड़े में आग भड़क उठी। घटना के दौरान परिवार के लोग अपने घर में कामकाज का निपटा रहे थे। हवा भी काफी तेज चल रही थी। उसी दौरान पशुओं के रंभाने की आवाज परिजनों को सुनाई दी। जब उन्होंने पशुबाड़े की तरफ देखा तो आग भयंकर रूप धारण कर चुकी थी। शोर मचाए जाने पर ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की भी कोशिश की लेकिन आग फैलती चली गई। जिससे पशुबाड़े की छत भी जल कर नीचे गिर गई। जिसमें बंधी दो भैंस तथा एक गाय जिंदा जल कर मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस तथा फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग के कारण भंडारण किया गया चारा तथा कुछ अन्य घरेलू सामान भी जल गया। मकान मालिक महेंद्र ने बताया कि आग शार्ट सर्किट के कारण लगी है। जिसके चलते उसकी दो भैंस तथा एक गाय की जलकर मौत हो गई।

मोदी सरकार के बारह साल बेमिसालः अवनीत कौर

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी जिला गोहाना कार्यालय में आयोजित की गई बैठक में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पानीपत की पूर्व मेयर एवं जिला गोहाना प्रभारी अवनीत कौर रहीं। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रभारी डॉ. किरण कलकल ने की। अवनीत कौर ने कार्यकर्ताओं को 5 से 21 जून तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले बारह वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जिन्हें जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों को आम लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ. किरण कलकल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि देश विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथे स्थान तक पहुंचा है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। बैठक में पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान, जिला महामंत्री महेंद्र चिड़ाना, जितेंद्र शर्मा, परमबीर सैनी, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, नरेंद्र गहलावत, डॉ. रमेश कश्यप, बलराम कौशिक, रीना शर्मा, भूपेंद्र मुद्गिल, डॉ. राममेहर राठी, सूरत सिंह, कुलदीप कौशिक, सज्जन कौर और ऋतु गंगाना सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीपीएल बुजुर्गों को मिलेगी श्री सोमनाथ की मुफ्त यात्रा

नारनौल। प्रदेश सरकार बीपीएल परिवारों के वरिष्ठ नागरिकों को श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराने के लिए विशेष धार्मिक यात्रा का आयोजन करने जा रही है। इस योजना के तहत आठ जून को कुरुक्षेत्र रेलवे जंक्शन से एक स्पेशल ट्रेन रवाना की जाएगी। मुख्यमंत्री इस विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ करेंगे। इच्छुक श्रद्धालु छह जून तक सरल पोर्टल पर आवेदन कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि यात्रा में शामिल होने के लिए पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। यह सुविधा पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से तीर्थ यात्रियों के रहने, खाने और स्थानीय परिवहन की पूरी व्यवस्था की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यात्रा से पहले मेडिकल जानकारी उपलब्ध कराना आवश्यक होगा।

बरसात से पहले सभी बाढ़ बचाव कार्य समय पर करें पूरे, अधिकारियों ने की समीक्षा

एजेंसी

रोहतक। आगामी बरसात के मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है और तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अधिकारियों ने साफ कहा कि किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करें। डीसी सचिन गुप्ता कैंप कार्यालय में आयोजित बाढ़ बचाव एवं जल निकासी व्यवस्था संबंधी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों से पूर्व में कंट्रोल रूम के माध्यम से जलभराव की शिकायतें प्राप्त हुई थीं, उन संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को सभी ड्रेनों की समयबद्ध सफाई एवं गाद निकालने के निर्देश दिए। साथ ही जल निकासी

के लिए आवश्यक पंप सेटों तथा बिजली कनेक्शनों की अग्रिम योजना तैयार करने को कहा। बिजली विभाग को निर्देश दिए गए कि जरूरत पड़ने पर पंप सेटों को तत्काल बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने की तैयारी अभी से पूरी कर ली जाए। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने नगर निगम अधिकारियों को निगम क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में जल निकासी के लिए आवश्यकता अनुसार पंप सेट खरीदने की प्रक्रिया शुरू करने तथा तालाबों की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक वर्षा होने पर अतिरिक्त पानी का भंडारण किया जा सके। उन्होंने रोहतक लिंक ड्रेन की सफाई के लिए सिंचाई विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा नगर निगम को सुपर सकर मशीन के माध्यम से सीवर लाइनों और नालों की व्यापक सफाई करने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार से सुपर सकर मशीन अपना कार्य प्रारंभ कर देगी। यह अत्याधुनिक मशीन सीवरों, नालों एवं अन्य जल निकासी तंत्र में जमा गाद, मिट्टी और ठोस कचरे को प्रभावी ढंग से निकालने में सक्षम है, जिससे जलभराव और सीवर जाम जैसी समस्याओं का समाधान होगा। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त मनजीत एवं नमिता सिंह, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता शिवराज, सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता सतपाल, कार्यकारी अभियंता संजीव कुमार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष लोक अदालत 109 केसों का निपटारा

एजेंसी

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संतोष बागोतिया ने बताया कि इस अवसर पर जिला न्यायालय सिरसा में एडिशनल सेशन जज नवजीत क्लेयर, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रिचू, उपमंडल न्यायालय डबवाली में सब डिवीजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हरलीन पाल सिंह तथा उपमंडल न्यायालय ऐलनाबाद में सब डिवीजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आशीष आर्या की अदालतों में विशेष लोक अदालतें आयोजित की गई। विशेष लोक अदालत में 198 मामलों को रखा गया था, जिनमें से 109 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। इन मामलों में लगभग एक करोड़ 59 लाख 59 हजार 799 रुपये की राशि का समायोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने ओल्ड एज होम का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वहां रह रहे वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने वृद्धाश्रम में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया और साफ-सफाई, भोजन, स्वास्थ्य देखभाल तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सीनियर सिटीजन से बातचीत कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

कुरुक्षेत्र को मिला 27.9 किलोमीटर लंबा बाईपास, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्र सरकार ने कुरुक्षेत्र में प्रस्तावित 27.9 किलोमीटर लंबे बाईपास निर्माण को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इस परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने कुरुक्षेत्र के नागरिकों को बाईपास देकर एक जीवन रेखा की सौगात देने का काम किया है। कुरुक्षेत्र के लिए यह बाईपास नहीं बल्कि सडक़ मार्ग के रूप में बहुत बड़ी राहत है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र को 27.9 किलोमीटर लंबी बाईपास परियोजना की सौगात मिली है। यह बाईपास कुरुक्षेत्र के दक्षिणी भाग से होकर निकाला जाएगा जो कुरुक्षेत्र पिहोवा मार्ग पर ज्योतिसर के पास इंदबरी से शुरू होकर स्टेट हाईवे नंबर 6, एमडीआर-119, किरमच रोड, अमीन रोड व नेशनल हाईवे -44 को जोड़ता हुआ गांव मथाना (स्टेट हाईवे-6) पर समाप्त होगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाईपास परियोजना से ना केवल पिपली चौक पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, बल्कि कुरुक्षेत्र शहर को जाम से स्थायी राहत मिलेगी। इस परियोजना के पूरा होने पर दिल्ली-यमुनानगर-हरिद्वार समेत पंजाब व कैथल की ओर यातायात और भी आसान व सुरक्षित हो जाएगा। ब्रह्मसरोवर, ज्योतिसर एवं अन्य धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होने से कुरूक्षेत्र में पर्यटन, व्यापार, निवेश व रोजगार को नई गति मिलेगी।

गरीब व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही नायब सरकारः राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा के जिला प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता समेत कई मंत्रियों व वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत करके कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती का मंत्र दिया। यहां बादशाहपुर से टीकली रोड पर माधवगढ़ फार्म में आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग शिविर में सबसे पहले कैबिनेट मंत्री राव नरवीर सिंह ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। राज्य सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। राव नरवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान और

प्लॉट प्रदान कर रही है। पात्र परिवारों को स्वामित्व योजना के माध्यम से संपत्ति अधिकार दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज गरीब परिवारों को इलाज की चिंता नहीं करनी पड़ती। आयुष्मान भारत योजना और चिरायु हरियाणा योजना के तहत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक का निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, हर घर-हर गृहिणी योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर नल से जल, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, मेरी फसल मेरा ब्यौरा, ई-टेंडरिंग, ऑनलाइन सेवाओं और अंत्योदय परिवार उत्थान कार्यक्रम जैसी योजनाओं का लाभ लाखों लोगों तक पहुंच रहा है। भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने पार्टी की कार्यपद्धति पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा एक विचार आधारित संगठन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की शक्ति का आधार होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अनुशासन, समर्पण और संगठनात्मक जिम्मेदारियों के निर्वहन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाना ही पार्टी की सफलता का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज सेवा, जनसंपर्क और राष्ट्र निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभाता है।

प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं में होता है नेतृत्व क्षमता का विकास : अरूण सिंह

एजेंसी

फरीदाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कार्यकर्ताओं से राष्ट्र प्रथम के संकल्प को जीवन का मूल मंत्र बनाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का आह्वान किया है। अरूण सिंह पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के तहत फरीदाबाद महानगर जिला वर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन बतौर मुख्यातिथि कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचने पर राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह का महानगर जिलाध्यक्ष सोहनपाल सिंह के संयोजन में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सिंह ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित वैचारिक पार्टी है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और उसकी सक्रिय भूमिका से ही संगठन बूथ स्तर तक मजबूत होता है। कार्यकर्ताओं के समर्पण, परिश्रम और जनता के विश्वास के बल पर

भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं का न केवल व्यक्तित्व निखरता है, बल्कि उनकी संगठनात्मक क्षमता भी कई गुना बढ़ जाती है। राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के योगदान को याद करते हुए कहा कि एकात्म मानववाद की विचारधारा आज भी भाजपा सरकारों की नीतियों में दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1952 में जनसंघ को केवल तीन सीटें मिली थी, जबकि 2019 में भाजपा 303 सीटों तक पहुंची। उन्होंने इसे संगठन और विचार की जीत बताते हुए कहा कि भाजपा आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में राजनीतिक और विकासात्मक परिवर्तन आया है तथा अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर बनना करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान है। राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांतों से प्रेरित है। उन्होंने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को भी स्मरण किया और कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की परंपरा भाजपा की पहचान रही है और कार्यकर्ताओं को इसी भावना के साथ समाज में कार्य करना चाहिए। अरुण सिंह ने प्रशिक्षण वर्ग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना तथा कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, कार्यपद्धति और संगठनात्मक मूल्यों से परिचित कराना है।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सीपीए नॉर्थ जोन सम्मेलन की तैयारियों के लिए किया कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के उत्तर भारत क्षेत्र के जोन-2 सम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में विधान सभा सचिवालय और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ सम्मेलन से जुड़े स्थलों का दौरा किया।

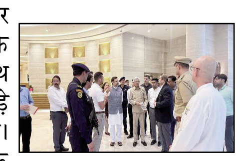

विधान सभा के सेरेमोनियल गेट पहुंच उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर की तैयारियों का जायजा लिया। यहां उन्होंने विशिष्ट मेहमानों के सामूहिक फोटो इत्यादि के लिए स्थान चिन्हित किए। इसके बाद विधान सभा अध्यक्ष अधिकारियों के साथ सेक्टर 18 स्थित टैगोर थियेटर गए। यहां उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी का अवलोकन भी किया।

सम्मेलन के पहले दिन टैगोर थियेटर में संवैधानिक मूल्यों पर आधारित नाटक मंचन होगा। इसके बाद विधान सभा अध्यक्ष होटल ललित पहुंचे। यहां उन्होंने सम्मेलन के तकनीकी सत्रों की व्यवस्था के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र के सशक्तीकरण को समर्पित इस सम्मेलन की प्रत्येक व्यवस्था समुचित ढंग से करनी है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में भाग लेने वाले उत्तर क्षेत्र के पांचों राज्य अपनी प्रदर्शनी भी यहां लगा सकते हैं। सम्मेलन में आने वाले पीठासीन अधिकारियों व जन-प्रतिनिधियों का स्वागत हरियाणवी पारंपरिक तौर तरीकों से होगा। इस अवसर पर हरियाणा विधान सभा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा चंडीगढ़ पर्यटन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा में बदला मौसमः कई जिलों में दिन में छाया अंधेरा, हल्की बूंदाबांदी

एजेंसी

हिसार। पश्चिमी विक्षोभ के आशिंक प्रभाव के चलते मौसम ने प्रदेश में अचानक करवट ली। इससे कई जिलों में दिन में भी अंधेरा छा गया और आंधी के बाद हल्की बूंदाबांदी हुई। दो दिन से बदले मौसम ने गर्मी से राहत दिलाई है और मौसम खुशगवार हो गया है। हरियाणा में मौसम ने अचानक करवट ली, जिससे प्रदेशभर के लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली। सुबह से लेकर दोपहर तक राज्य के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। पंचकूला, फतेहाबाद, करनाल, पानीपत, हिसार, जींद, सोनीपत और सिरसा समेत कई क्षेत्रों में हुई हल्की से मध्यम बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। तेज आंधी की वजह से वाहन चालकों को वाहनों की लाइट जलाकर चलना पड़ा। प्रदेश में पिछले दो दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान अधिकतम तापमान में औसतन 4.7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी और लू से राहत मिली है। कई स्थानों पर तेज हवाओं के साथ बादल छाए रहे, जबकि कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश हुई।

हिसार में मौसम का सबसे अधिक असर देखने को मिला। दोपहर के समय घने बादल छाने से दिन में ही अंधेरे जैसी स्थिति बन गई। इसके बाद तेज आंधी चली और हल्की बारिश शुरू हो गई। सिरसा के रानियां, फतेहाबाद, चरखी दादरी और महेंद्रगढ़ क्षेत्रों में तेज हवाओं का असर बना हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश के कई जिलों के लिए तूफान और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इस मौसम परिवर्तन से किसानों को भी राहत मिलेगी। हालांकि तेज हवाओं और ओलावृष्टि की स्थिति बनने पर कुछ फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसम प्रणालियों के प्रभाव से प्रदेश में अगले कुछ घंटों तक मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। मौसम में आए इस बदलाव ने जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं प्रदेशभर में मौसम का सुहावना मिजाज लोगों के लिए राहत बना है। हिसार का तापमान गिरकर 36.9 पर आया पश्चिमी विक्षोभ से बदले मौसम की वजह से हिसार का तापमान भी गिर गया है। पिछले दिनों तापमान 45 डिग्री पर पहुंच गया था लेकिन अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री पर आ गया। तापमान गिरने से झुलसा देने वाली गर्मी से राहत मिली है। जिले का न्यूनतम तापमान भी 23.2 डिग्री पर आ गया है, जो तीन दिन पहले तक 28 डिग्री से उपर पहुंच गया था।

हरियाणा के बोर्ड-निगमों में हुई नई नियुक्तियां, सरकार ने जारी किए आदेश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने बोर्ड-निगमों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अतिरिक्त निदेशकों की नियुक्तियां कर दी हैं। सरकार की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। हरियाणा सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, महेश जोशी को हरियाणा कला परिषद में उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कुरुक्षेत्र के गुरनाम सैनी को हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम लिमिटेड, पंचकूला के निदेशक मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, अधिवक्ता वेदपाल को हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, पंचकूला का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सिरसा के रोहताश जांगड़ा को हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड, पंचकूला का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सुनीता डांगी को हरियाणा महिला विकास निगम लिमिटेड की अध्यक्षा नियुक्त किया गया है। हिसार के बिंदर दानाउदा को हरियाणा कला परिषद में हिसार का अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया गया है। रोहतक के गगन हरियाणवी को हरियाणा कला परिषद में रोहतक का अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि गुरुग्राम के अमित सैनी को हरियाणा कला परिषद में गुरुग्राम का अतिरिक्त निदेशक

नियुक्त किया गया है। हरियाणा सरकार ने राजपाल बेनीवाल को हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण की कार्यकारी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सुभाष कलसाना को हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (एचएससीएआरडीबी) का अध्यक्ष नियुक्त किया। सरकार की ओर से सुभाष बंसल को हरियाणा राज्य सहकारी आवास संघ लिमिटेड का अध्यक्ष नियुक्त किया। भारत भूषण जुयाल को हरियाणा राज्य सहकारी शीर्ष बैंक लिमिटेड का अध्यक्ष नियुक्त किया।

वपंजाब-हरियाणा एनसीसी के एडीजी संभालेंगे कर्नाटक-केरल सब-एरिया की कमान

एजेंसी

चंडीगढ़। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) निदेशालय के एडिशनल डायरेक्टर जनरल (एडीजी) मेजर जनरल भारत महतानी को कर्नाटक एवं केरल सब-एरिया हेडक्वार्टर, बेंगलुरु में जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के रूप में तैनात किया गया है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के लिए एडीजी के रूप में उनका कार्यकाल उल्लेखनीय उपलब्धियों और प्रभावशाली नेतृत्व के लिए याद किया जाएगा।मेजर जनरल भारत महतानी ने 1 नवंबर 2025 को एनसीसी निदेशालय की कमान संभाली थी। उन्होंने यह जिम्मेदारी मेजर जनरल जगदीप सिंह चीमा से पारंपरिक बैटन ग्रहण कर संभाली थी। लगभग सात महीने के अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने एनसीसी गतिविधियों को नई दिशा देने, कैडेटों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपने नए दायित्व में मेजर जनरल महतानी व्यापक सैन्य और प्रशासनिक अनुभव लेकर जा रहे हैं। एडीजी बनने से पहले वे पश्चिमी सेक्टर में एक इन्फैंट्री ब्रिगेड, झारखंड एवं बिहार सब-एरिया

तथा पश्चिमी सेक्टर में एक इन्फैंट्री डिवीजन की सफलतापूर्वक कमान संभाल चुके हैं। उत्कृष्ट सेवाओं और समर्पण के लिए उन्हें जीओसी-इन-चीफ, पश्चिमी कमान प्रशस्ति पत्र से भी सम्मानित किया जा चुका है।

उनके सफल कार्यकाल, प्रेरक नेतृत्व और युवा विकास में योगदान के सम्मान में एनसीसी निदेशालय द्वारा एक औपचारिक विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सरकार में इच्छाशक्ति की कमी के चलते नहीं हो पा रहा प्रदेश का विकास : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़ । सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश सरकार की इच्छा शक्ति की कमी के चलते ही न तो राज्य में विकास हो रहा है और न ही सरकार अपराध को रोक पाई है, उल्टे दिन-प्रतिदिन नए गैंग पनपते जा रहे हैं। जब तक सरकार किसी भी काम को मिशन मानकर नहीं करेगी उसके हाथ खाली ही रहेंगे। आम अदमी के जीवन और उसके अधिकारों की रक्षा करना सरकारों की ही जिम्मेदारी होती है, सरकार इस जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती और न ही कोई बहाना करके जनता को गुमराह कर सकती है। सांसद कुमारी सैलजा पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। एक सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि जब वे पहली बार सांसद बनी थी तो उन्हें बताया गया कि सिरसा के विकास में रेल की छोटी लाइन सबसे बड़ी बाधा है तब तत्कालीन रेल मंत्री जाफर शरीफ से बात की तो सिरसा को बड़ी लाइन मिली, इसके साथ ही सिरसा रेल लाइन के माध्यम से देश के अन्य शहरों से जुडा और विकास को गति मिली, उनके कार्यकाल में ही सिरसा को केंद्रीय विद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र की सौगात मिली। कांग्रेस के राज में सिरसा में कॉटन पर आधारित अनेक उद्योग होते थे पर आज बंद हो चुके है। एक सवाल पर सांसद ने कहा कि उद्योग धंधे स्थापित कराने में राज्य सरकारों की ही अहम भूमिका होती है, वे ही उद्योग को लेकर नीतियां बनाती है पर इस प्रदेश सरकार के पास तो इसके लिए वक्त ही नहीं है।फतेहाबाद को रेल मार्ग से न जोड़े जाने के सवाल पर सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा-फतेहाबाद,अग्रोहा-हिसार रेल लाइन की मांग वे कई बार संसद में उठा चुकी है पर सरकार कोई ध्यान ही नहीं दे रही, अगर कांग्रेस की सरकार होती तो इस रूट पर ट्रेनें दौड़ रही होती। उनकी इच्छा है कि कालांवाली-डबवाली और सिरसा-ऐलनाबाद, सिरसा-नोहर के बीच भी लाइन बिछे और लोगों को सुविधा मिल सके।

आरबीआई, जीडीपी और वैश्विक आंकड़े तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की दिशा

पिछली गिरावट के बाद निवेशक सतर्क, जून के पहले हफ्ते में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर रहेगी पैनी नजर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ समाप्त किया, लेकिन निवेशकों की असली परीक्षा अब आने वाले सप्ताह में होगी। 1 जून से 5 जून के बीच कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़े और नीतिगत फैसले बाजार की चाल को निर्धारित करेंगे। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक, देश की जीडीपी रिपोर्ट, पीएमआई आंकड़े और अमेरिका से आने वाले रोजगार संबंधी डेटा निवेशकों के लिए अहम साबित होंगे। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों ने गिरावट दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.85 फीसदी टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 0.72 फीसदी गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। अब बाजार की नजर अगले हफ्ते (1 जून से 5 जून) आने वाले कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत फैसलों पर रहेगी, जो बाजार की अगली दिशा तय करेंगे। सप्ताह की शुरुआत में 1 जून को मई महीने के मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स आंकड़े जारी होंगे, जो देश की औद्योगिक गतिविधि का संकेत देंगे। इसी दिन ऑटो कंपनियों की बिक्री के आंकड़े भी आएंगे, जो उपभोक्ता मांग की तस्वीर स्पष्ट करेंगे। इसके बाद, 5 जून को भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़ा देश की आर्थिक वृद्धि दर का मूल्यांकन करेगा और निवेशकों को अर्थव्यवस्था की समग्र सेहत समझने में मदद करेगा। इस दौरान निवेशकों की सबसे बड़ी नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर होगी, जो 3 से 5 जून तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून की सुबह फैसलों का एलान करेंगे। बाजार बेसब्री से यह देखना चाहेगा कि क्या ब्याज दरों में कोई बदलाव होगा या दरों को स्थिर रखा जाएगा। यह फैसला बैंकिंग शेयरों और ऋण बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, 3 जून को अमेरिका से रोजगार और सर्विस सेक्टर से जुड़े अहम आंकड़े आएंगे, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत देंगे और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर कटौती की संभावनाओं पर असर डालेंगे। 5 जून को अमेरिका में बेरोजगारी दर के आंकड़े भी जारी होंगे। इसके अलावा, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका-ईरान संबंधों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी निवेशकों की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें भारतीय महंगाई दर को सीधे प्रभावित करती हैं। आने वाला सप्ताह भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए बेहद अहम साबित होने वाला है।

इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री, अमेरिका को पछाडा

नई दिल्ली ।

भारत ने अप्रैल 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की मांग (पेनेट्रेशन) के मामले में अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले महीने इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री हुई। वाहन रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में भारत में बिकने वाली कुल नई कारों में से 5.8 प्रतिशत इलेक्ट्रिक थीं। यह आंकड़ा मार्च 2026 के 5.1 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल के सिर्फ 3.7 प्रतिशत से काफी अधिक है। नए-नए मॉडलों के बाजार में आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में यह तेजी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। इसके विपरीत, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कार बाजार अमेरिका में बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी गिरकर 5.1 प्रतिशत पर आ गई। इस तरह, प्रतिशत के मामले में भारत ने इस बार अमेरिका को पछाड़कर बाजी मार ली है। हालांकि, अगर कुल बिक्री के आंकड़ों की बात करें तो भारत अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है, क्योंकि अमेरिका का कुल कार बाजार भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। अप्रैल में भारत में लगभग 23,500 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि अमेरिका में इसी दौरान लगभग 70,000 इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। अमेरिका में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें बेच रही है, उसके बाद जनरल मोटर्स, फोर्ड और हुंडई जैसी कंपनियां हैं।

पेट्रोल पर 1.5 और डीजल पर 13.50 रुपए की टैक्स कटौती करेगी सरकार

1 जून से लागू होंगी नई दरें, कच्चे तेल की नरमी के बीच सरकार का फैसला

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला 1 जून से प्रभावी होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी देखने को मिलने के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है, लेकिन इस कटौती का घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह केवल निर्यात पर लगने वाले कर में बदलाव है। सरकार की तरफ से जारी बयान के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले कर में 1.5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। वहीं डीजल के निर्यात पर 13.50 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल के निर्यात पर 9.5 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। सरकार ने यह विशेष कर पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगाया था। आखिरी बार इसमें 16 मई को संशोधन किया गया था। घरेलू बाजार में रविवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों ने पिछली बार सोमवार को घरेलू स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी की थी। देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मई के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। देश के कई शहरों में पेट्रोल का दाम 110 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। हैदराबाद में यह 115 रुपये से भी अधिक है, जबकि कोलकाता में भी 1 लीटर पेट्रोल के लिए लोगों

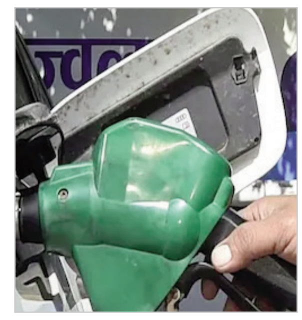

को 110 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। सरकार ने पहले घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में भी कटौती की थी, जिसमें तब से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

त्रिवेणी इंजीनियरिंग का मुनाफा घटकर 167 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मुनाफा आठ प्रतिशत घटकर 167.45 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से गन्ने की लागत बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ घटा है।

कंपनी का 2024-25 की समान तिमाही में मुनाफा 183 करोड़ रुपये था। एकीकृत चीनी और एथनॉल उत्पादक कंपनी त्रिवेणी इंजीनियरिंग ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय घटकर 1,842.15 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,934.53 करोड़ रुपये थी। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 268.71 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 243.19 करोड़ रुपये था। आलोच्य वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय बढ़कर 7,697.03 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,865.58 करोड़ रुपये थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 16.64 लाख करोड़ के आंतरिक लेनदेन की मंजूरी मांगेगी

मुख्यतः जियो और रिटेल इकाइयों के बीच होंगे सौदे, पांच वित्त वर्षों तक चलेगा यह सिलसिला

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अगले पांच वित्तीय वर्षों के लिए 16.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक के विशाल आंतरिक लेनदेन को अपनी डिजिटल और खुदरा सहायक कंपनियों, जियो प्लेटफॉर्म्स और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के साथ आगे बढ़ाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। यह प्रस्ताव आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में रखा जाएगा। कंपनी द्वारा दाखिल नोटिस के अनुसार इस प्रस्तावित लेनदेन का सबसे बड़ा हिस्सा रिलायंस रिटेल द्वारा रिलायंस जियो को दिया जाएगा, जो दूरसंचार सेवाओं की बिक्री के बदले में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। वित्तीय वर्ष 2027-28 में 2.20 लाख करोड़ रुपये और उसके बाद 2028-29 से 2031-32 तक प्रत्येक वर्ष 2.80 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन का अनुमान है। इसके अतिरिक्त रिलायंस जियो द्वारा दूरसंचार नेटवर्क विस्तार के लिए इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) आधार पर आरआईएल को 76,800 करोड़ रुपये का भुगतान भी प्रस्तावित है। आरआईएल ने स्पष्ट किया है कि यह कोई नया लेनदेन नहीं है, बल्कि मौजूदा मंजूर व्यवस्थाओं की निरंतरता है जिसके लिए शेयरधारकों की सहमति मांगी जा रही है।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित हलचल, सरसों-बिनौला चमके, सोया-पाम फिसले!

तिलहन उत्पादन पर संकट, धान की ओर बढ़ते किसानों पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में मई 2026 के अंतिम सप्ताह में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां एक ओर अचार कंपनियों की बढ़ती मांग और मंडियों में कमजोर आवक ने सरसों व बिनौला तेल की कीमतों को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर भारतीय रुपये की डॉलर के मुकाबले शानदार रिकवरी के चलते सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आगामी बरसात को देखते हुए अचार बनाने वाली कंपनियों की बढ़ी खरीदारी और सरसों की कमजोर आवक ने इसके दामों को मजबूत किया। इसी क्रम में, कपास की आवक घटने से बिनौला तेल की उपलब्धता प्रभावित हुई, जिससे इसकी कीमतों में भी सुधार आया। सरकार ने कपड़ा मिलों को राहत देने के लिए कपास पर लगने वाले 10 फीसदी आयात शुल्क को शून्य कर दिया है। इसके विपरीत, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की शानदार रिकवरी ने विदेशों से खाद्य तेलों का आयात सस्ता कर दिया। इस वजह से सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेलों में गिरावट दर्ज हुई। सरकार ने कच्चे पाम तेल और पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि की, जबकि सोयाबीन डीगम तेल के शुल्क मूल्य में कमी की। महाराष्ट्र और तेलंगाना में नेफेड द्वारा सोयाबीन बेचने के लिए कम बोली वाली निविदाएं निरस्त कर दी गईं, जिसके बाद जानकारों ने किसानों के हित में अगले कुछ महीनों तक सोयाबीन की सीमित बिक्री की सिफारिश की है। मूंगफली तेल के दाम इस हफ्ते स्थिर बने रहे। यह फिलहाल आयातित सूरजमुखी तेल से सस्ता मिल रहा है, हालांकि इसका दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चल रहा है। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में एक मिली-जुली तस्वीर सामने आई जहां सरसों और बिनौला तेल के भावों में तेजी दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन और पाम तेल गिरावट के साथ बंद हुए। इस बीच, बाजार विशेषज्ञों ने देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों के धान की ओर बढ़ते रुझान पर चिंता जताई है। बंद भावों के अनुसार, सरसों दाना 150 रुपए की तेजी के साथ 7,775-7,800 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

सरसों तेल (थोक) और बिनौला तेल में भी क्रमशः 50 और 75 रुपए प्रति क्विंटल का सुधार देखा गया। दूसरी ओर, सोयाबीन दाना 200 तक टूटकर 7,425-7,475 रुपए प्रति क्विंटल

रहा, जबकि सोयाबीन तेल में 100 से 140 रुपए तक की गिरावट आई। पाम ऑयल भी 25 से 125 रुपए तक फिसला। मूंगफली तेल स्थिर बना रहा। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि पारंपरिक तिलहन उत्पादक राज्यों में किसानों के धान की खेती की ओर मुड़ने के कारणों की गंभीरता से समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि इन मुद्दों को हल करके ही भारत खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अदाणी समूह की नई उड़ान, कानूनी चुनौतियों से बाहर आकर ऊर्जा-डिजिटल इंफ्रा पर फोकस

गौतम अदाणी बोले- समूह ने अमेरिकी मामलों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को भेजे अपने वार्षिक पत्र में घोषणा की है कि समूह ने अमेरिका में चल रही कानूनी चुनौतियों को पीछे छोड़ दिया है। अब समूह ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक और डिजिटल अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की गति बढ़ा रहा है, विशेषकर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विकास से पैदा होने वाली विशाल मांग को पूरा करने के लिए। गौतम अदाणी ने आश्वस्त किया कि पिछले वर्ष की चुनौतियों और गहन जांच-पड़ताल के बावजूद, समूह अपनी विस्तार रणनीति पर अडिग रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी मामले अब पीछे छूट चुके हैं, और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर केंद्रित है। अदाणी एंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को उन्होंने निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए अदाणी ने अवसंरचना और मेधा (इंटेलिजेंस) पर जोर दिया। उनका मानना है कि एआई के व्यापक उपयोग के लिए बिजली उत्पादन, पारेषण नेटवर्क, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक अवसंरचना में भारी निवेश आवश्यक होगा, क्योंकि एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है। समूह ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय किया है। प्रमुख उपलब्धियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा 5.1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़कर कुल 19 गीगावाट से अधिक करना और अदाणी पोर्ट्स द्वारा 50

करोड़ टन से अधिक कार्गो संभालना शामिल है। डिजिटल अवसंरचना में समूह ने 2030 तक दो गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के निर्माण की योजना बनाई है। अदाणी ने दोहराया कि समूह की पहचान चुनौतियों से नहीं, बल्कि उनके प्रति उसकी प्रतिक्रिया और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता से होती है।

रिलायंस एआई के दम पर बनेगा देश का अग्रणी मनोरंजन मंच

राजस्व में बंपर उछाल, कंटेंट निर्माण और अनुभव में एआई की मुख्य भूमिका

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने मीडिया और मनोरंजन कारोबार में कृत्रिम मेधा (एआई) को केंद्रीय भूमिका में शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य एआई के माध्यम से देश के हर उपभोक्ता के लिए प्रमुख मनोरंजन मंच बनना है। अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में आरआईएल ने कहा कि एआई मनोरंजन के अगले युग को परिभाषित करेगा और एक अग्रणी मीडिया मंच के रूप में रिलायंस की जिम्मेदारी है कि वह इस बदलाव का नेतृत्व करे। एआई का उपयोग केवल दक्षता बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि सामग्री बनाने, उपभोक्ता अनुभव और दर्शक जुड़ाव को मौलिक रूप से नया आकार देने के लिए किया जाएगा। कंपनी के मीडिया एवं मनोरंजन कारोबार, जिसमें जियोसावन, जियो स्टूडियोज और नेटवर्क18 शामिल हैं, ने वित्त वर्ष 2025-26 में दर्शक संख्या और जुड़ाव के मामले में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। इस अवधि में परिचालन आय दोगुनी से अधिक बढ़कर 34,917 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 17,762 करोड़ रुपये थी। यह वित्तीय वृद्धि एआई-संचालित नवाचारों के लिए मजबूत आधार प्रदान करती है।

वैश्विक तनाव से श्रीलंका में ईंधन फिर महंगा

तीन महीनों में पांचवीं बार बढ़े दाम, पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें लागू

कोलंबो ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं का सीधा असर श्रीलंका पर पड़ा है। देश में पेट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है, जो पिछले तीन महीनों में पांचवीं वृद्धि है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने नई दरों की घोषणा की, जो शनिवार आधी रात से प्रभावी हो गई हैं।

नई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल 24 रुपये महंगा होकर 434 रुपये प्रति लीटर और डीजल 15 रुपये बढ़कर 407 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मिट्टी के तेल की कीमत में भी 20 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है, जिससे यह 285 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने जनता से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। उनका कहना है कि

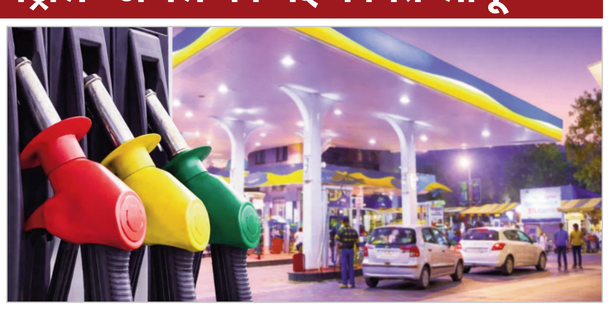

पश्चिम एशिया के तनाव के कारण देश पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के अंत में 293 रुपये प्रति लीटर बिकने वाला पेट्रोल अब 434 रुपये पर पहुंच गया है। इस बीच श्रीलंकाई रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है, जिससे देश की आर्थिक चुनौतियां और बढ़ गई हैं।

एडब्ल्यूएल अब मधुर ब्रांड नाम से बेचेगी चीनी

फॉर्च्यून का चीनी बाजार में प्रवेश; श्री रेणुका शुगर्स के साथ रणनीतिक समझौता

नई दिल्ली ।

खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (एडब्ल्यूएल) ने अब चीनी बाजार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। कंपनी ने इसके लिए देश की बड़ी चीनी कंपनियों में से एक श्री रेणुका शुगर्स के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। इस करार के तहत एडब्ल्यूएल अब श्री रेणुका शुगर्स के लोकप्रिय और स्थापित ब्रांड 'मधुर' के नाम से चीनी का विपणन करेगी। शेयर बाजारों को को दी गई नियामकीय सूचना के अनुसार, एडब्ल्यूएल एग्री ने पैकेज्ड फूड कारोबार में अपनी बाजार पहुंच को मजबूत करने और वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है।फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाली एडब्ल्यूएल इस समझौते के माध्यम से अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है।

इस व्यवस्था के तहत श्री रेणुका

शुगर्स अपने प्रमुख चीनी ब्रांड मधुर का लाइसेंस एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस को देगी, जिससे फॉर्च्यून की मजबूत वितरण प्रणाली का लाभ मधुर ब्रांड को भी मिल सकेगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए लाभकारी मानी जा रही है।

इरेडा का चौथी तिमाही में मुनाफा घटकर 492.63 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 1.77 प्रतिशत घटकर 492.63 करोड़ रुपये रहा।वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का मुनाफा 501.55 करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 2,181.28 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,915 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,562.14 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,285.91 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 में इरेडा का मुनाफा बढ़कर 1,874 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 1,698 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी की कुल आय भी बढ़कर 8,338.89 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,755.69 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने एक अलग बयान में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वाधिक वार्षिक लाभ दर्ज किया है। इरेडा के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 0.75 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। इस प्रकार अंतरिम लाभांश के रूप में दिए गए 0.60 रुपये प्रति शेयर सहित कुल लाभांश 1.35 रुपये प्रति इक्विटी शेयर होगा। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की ऋण स्वीकृतियां नौ प्रतिशत बढ़कर 51,883 करोड़ रुपये हो गईं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 47,453 करोड़ रुपये थीं। वहीं ऋण वितरण 16 प्रतिशत बढ़कर 34,946 करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पहले 30,169 करोड़ रुपये था।

एनएसई ने बढ़ाया ट्रेडिंग का समय, अब 3ः40 बजे तक खुलेगा बाजार

क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम से तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया कदम

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के कारोबार में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के ट्रेडिंग समय को 10 मिनट बढ़ा दिया है। अब डेरिवेटिव्स मार्केट शाम 3ः40 बजे तक खुला रहेगा, जो पहले 3ः30 बजे बंद होता था। यह कदम कैश मार्केट में हाल ही में शुरू हुए क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम (सीएएस) के साथ तालमेल बिठाने और बाजार को अधिक दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस बदलाव के तहत, जहां ट्रेडिंग की टाइमिंग में वृद्धि की गई है, वहीं डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट के क्लोजिंग प्राइस तय करने के तरीके में भी आंशिक बदलाव किया गया है। अब क्लोजिंग प्राइस की गणना के लिए उपयोग होने वाला वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस शाम 3ः10 बजे से 3ः40 बजे के बीच हुए सौदों के आधार पर तय होगा। हालांकि, प्री-ओपन सेशन और ट्रेड मॉडिफिकेशन विंडो के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एनएसई ने अपने सर्कुलर में बताया कि यह निर्णय क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) को पूरी तरह से लागू करने का एक

हिस्सा है। सीएएस एक विशेष ट्रेडिंग सेशन है जो दिन के अंत में किसी शेयर का निष्पक्ष और पारदर्शी क्लोजिंग प्राइस निर्धारित करने में मदद करता है। इस 20 मिनट के सेशन में 3ः15 से 3ः20 बजे तक ट्रांजिशन फेज, 3ः20 से 3ः25 बजे तक मार्केट और लिमिट ऑर्डर डालने की सुविधा और 3ः25 से 3ः30 बजे के बीच केवल लिमिट ऑर्डर की अनुमति होगी। सीएएस के दौरान तय किए गए नए प्राइस बैंड और प्री-ट्रेड रिस्क कंट्रोल नियम अब डेरिवेटिव्स सेगमेंट पर भी लागू होंगे। ब्रोकरों और ट्रेडिंग सदस्यों को सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपने ट्रेडिंग एप्लीकेशन्स में आवश्यक अपडेट करने की सलाह दी गई है। एनएसई ने यह भी जानकारी दी है कि इस बदलाव से होने वाले कार्यात्मक परिवर्तनों का परीक्षण आगामी मॉक ट्रेडिंग सत्रों के दौरान किया जाएगा, ताकि प्रभावी तिथि से पहले सभी प्रणालियां तैयार हों। यह कदम भारतीय शेयर बाजार में पारदर्शिता और स्थिरता को और मजबूत करेगा।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व माता-पिता दिवस

ललित गर्ग

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्यमाता-पिता के लिए एक साथह्न एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्यमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्न- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे 'सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

संपादकीय

जन के हित के हेत

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और धेय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है। हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरूआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है। पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीघार्यु का महत्वपूर्ण स्रोत बताया गया है। भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयुःप्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूजीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं। भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राजील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूजीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। कहना गलत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम-आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पोषण, ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और सतत विकास में डेयरी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया गया था। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम महिला डेयरी किसानों का उत्सव रखी गई है। यह थीम डेयरी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण तथा खाद्य सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम पशुपालन और डेयरी उद्योग में महिला किसानों के अतुलनीय योगदान तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखती है। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, फिर भी इस क्षेत्र के समक्ष अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं।

जहरीली शराब का जहर: मौत का कारोबार कब रुकेगा?

कांतिलाल मांडोत

हर साल छिनती हैं सैकड़ों जिंदगियां, अब अवैध शराब के पूरे नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई जरूरी...

महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई 15 लोगों की मौत ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि भारत में बार-बार सामने आने वाली उस भयावह समस्या का नया अध्याय है जिसमें सस्ती और अवैध शराब गरीब तथा निम्न आय वर्ग के लोगों की जान ले लेती है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि अवैध शराब के पूरे इकोसिस्टम की पहचान कर ली गई है और उसकी कमर तोड़ने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे। यह बयान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं और इन्हें रोकने के लिए स्थायी समाधान कब निकलेगा?*

जहरीली शराब का खतरा नया नहीं है। भारत के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। अवैध शराब बनाने वाले लोग अधिक मुनाफे के लालच में मिथाइल अल्कोहल जैसे जहरीले रसायनों का उपयोग करते हैं। यह पदार्थ मानव शरीर के लिए अत्यंत घातक होता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जा सकती है, गुर्दे और यकृत प्रभावित हो सकते हैं तथा कुछ ही घंटों में व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसके बावजूद अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है सस्ती शराब की मांग, प्रशासनिक निगरानी की कमी और अपराधियों का संगठित नेटवर्क। पुणे की घटना में प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अवैध स्पिरिट युक्त शराब तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में बेची गई थी। जिन लोगों ने इसे खरीदा, उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि वे शराब नहीं बल्कि मौत का जहर पी रहे हैं। गरीब और मेहनतकश वर्ग अक्सर कम कीमत के कारण ऐसी शराब की ओर आकर्षित हो जाते हैं। यही वर्ग सबसे अधिक नुकसान भी उठाता है। परिवार का कमाने वाला सदस्य जब इस तरह की दुर्घटना का शिकार होता है तो उसके पीछे पत्नी, बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक और सामाजिक संकट में फंस जाते हैं।

यदि देश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का इतिहास देखा जाए तो सबसे अधिक चर्चा बिहार की होती है। बिहार में वर्ष 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से मुक्त करना था, लेकिन इसके बाद अवैध शराब के कारोबार और जहरीली शराब से होने वाली मौतों की कई बड़ी घटनाएं सामने आईं। वर्ष 2016 में गोपालगंज में जहरीली शराब पीने से लगभग 19 लोगों की मौत हुई थी। वर्ष 2021 में पश्चिम चंपारण जिले में जहरीली शराब ने करीब 16 लोगों की जान ले ली। वर्ष 2022 बिहार के लिए सबसे भयावह साबित हुआ। मार्च 2022 में भागलपुर जिले में जहरीली शराब से 40 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। इसी वर्ष दिसंबर में सारण जिले में हुई त्रासदी ने पूरे देश को हिला दिया, जहां 70 से अधिक लोगों की जान चली गई। वर्ष 2023 में भी मोतिहारी और सीवान सहित कई क्षेत्रों में जहरीली शराब से अनेक लोगों की मौत दर्ज की गई। वर्ष 2024 और 2025 में भी छिटपुट घटनाएं सामने आती रहीं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार में जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि यह समस्या केवल बिहार तक सीमित नहीं है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी समय-समय पर ऐसी घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2022 में गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से 40 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर हुई एक घटना में लगभग 100 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अवैध शराब का कारोबार पूरे देश के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि हर बड़ी घटना के बाद प्रशासन सक्रिय होता है, छापेमारी होती है, गिरफ्तारियां होती हैं और कठोर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं। लेकिन कुछ समय बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। इसका कारण यह है कि समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय केवल तत्काल प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया जाता है। अवैध शराब का नेटवर्क गांवों, कस्बों और शहरों तक फैला हुआ है। इसमें शराब बनाने वाले, आपूर्ति करने वाले, बेचने वाले और कई बार संरक्षण देने वाले लोग भी शामिल होते हैं। जब तक इस पूरी श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं रुकना कठिन है।

सरकारों को यह समझना होगा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। कानून का प्रभावी क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है। पुलिस, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। जहां अवैध शराब बनने या बिकने की आशंका हो, वहां नियमित निगरानी और गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। साथ ही दोषियों को त्वरित और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि दूसरों के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश बने।

इसके साथ ही सामाजिक जागरूकता भी बेहद जरूरी है। लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि कुछ रुपये बचाने के लिए खरीदी गई अवैध शराब उनकी जान ले सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी झुग्गी बस्तियों में विशेष अभियान चलाकर स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूलों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी इस अभियान में शामिल किया जा सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू नशामुक्ति का है। शराब की लत केवल कानून से समाप्त नहीं होती। इसके लिए परामर्श, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होती है। यदि सरकारें नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार करें और लोगों को उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराएं तो शराब पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे अवैध शराब की मांग भी घटेगी।

महाराष्ट्र की ताजा घटना ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि जहरीली शराब केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का भी विषय है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके लिए यह केवल एक समाचार नहीं बल्कि जीवन भर का दुख है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल मुआवजा देने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

जहरीली शराब वास्तव में जानलेवा है। यह धीरे-धीरे नहीं, बल्कि कई बार कुछ घंटों में ही जीवन समाप्त कर देती है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र की घटना से सबक लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी व्यापक रणनीति बनानी चाहिए जो अवैध शराब के उत्पादन, वितरण और बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा सके। जब तक अपराधियों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया जाएगा और समाज में जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। अब समय आ गया है कि इस मौत के कारोबार पर स्थायी और निर्णायक प्रहार किया जाए, ताकि किसी परिवार का चिराग जहरीली शराब की भेंट न चढ़े।

संक्षिप्त समाचार

काला सागर में तुर्किये के मालवाहक जहाज पर ड्रोन हमला, अंकारा ने दी तनाव बढ़ने की चेतावनी

इस्तांबुल, एजेंसी। काला सागर में तुर्किये के एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ है। इस घटना के कुछ घंटों बाद तुर्किये ने शुक्रवार को युद्ध में शामिल सभी पक्षों को कड़ी चेतावनी दी है। तुर्किये ने कहा है कि सभी पक्ष ऐसे कदम उठाने से बचें जिससे तनाव अनियंत्रित होकर गंभीर रूप से बढ़ जाए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि वानुअतु के झंडे वाला एक जहाज यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से सूखा माल लेकर तुर्किये आ रहा था। 28 मई की रात एक मानव रहित विमान (ड्रोन) ने इस जहाज पर हमला कर दिया। इस हमले में चालक दल के दो तुर्किये नागरिक मामूली रूप से घायल हुए हैं। ओडेसा में तुर्किये का दूतावास घायल नागरिकों की हालत पर लगातार नजर रख रहा है। मंत्रालय ने कहा कि काला सागर में युद्ध की वजह से बढ़ते खतरों को लेकर वह बहुत चिंतित है। तुर्किये ने सभी संबंधित पक्षों को अपनी चिंताओं और चेतावनियों से अवगत करा दिया है। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि काला सागर में आम नागरिकों के जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। तुर्किये ने बातचीत के जरिए लड़ाई खत्म करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। तुर्किये ने यह भी कहा कि वह शांति प्रक्रिया को तेज करने और लड़ाई को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने को तैयार है। इसी बीच, रोमानिया से भी एक बड़ी खबर आई है। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एक रूसी ड्रोन उनके हवाई क्षेत्र में घुस गया। यह ड्रोन एक रिहायशी इमारत से टकरा गया, जिससे वहां आग लग गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोमानियाई मंत्रालय के अनुसार, रूस ने रोमानिया की नदी सीमा के पास यूक्रेन के ठिकानों पर फिर से ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। इन घटनाओं ने पूरे इलाके में सुरक्षा को लेकर जोखिम बढ़ा दिया है। तुर्किये ने साफ किया है कि वह स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

अमेरिका में महंगाई दर 3.8% : पिछले तीन वर्ष में सबसे अधिक, खाने-पीने की बढ़ती कीमत से खर्च की क्षमता प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महंगाई (मुद्रास्फीति) दर अप्रैल में बढ़कर 3.8 फीसदी पहुंच गई। यह पिछले तीन वर्षों का सबसे उच्च स्तर है। यह वृद्धि ईंधन और खाने-पीने की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल के कारण हुई है। यह संकेत है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव अमेरिकी लोगों की भी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि अप्रैल में महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 3.8 फीसदी हो गई, जो मार्च में 3.5 प्रतिशत थी। यह मई 2023 के बाद का सबसे उच्च स्तर है। मासिक आधार पर कीमतों में 0.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, हालांकि मार्च में यह बढ़ोतरी 0.7 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में बताया गया कि गैस के अलावा कई अन्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ी हैं। इससे संकेत मिलता है कि महंगाई लंबे समय तक बनी रह सकती है और इस साल होने वाले मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन नेताओं के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है। महंगाई अभी भी अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2 फीसदी तय लक्ष्य से काफी ऊपर है। इसका अर्थ है कि फेडरल रिजर्व इस साल ब्याज दरों में कटौती करने से बच सकता है। कुछ अधिकारियों ने संकेत दिया है कि अगला कदम ब्याज दरों में कटौती की बजाय बढ़ोतरी भी हो सकता है।

कोई देश नहीं थोप सकता अपना वर्चस्व' :अमेरिका की चीन को दो टूक, पीट हेगसेथ ने भारत को बताया ताकतवर देश

सिंगापुर, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता है, जो उसे उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने में सक्षम बनाती है। हेगसेथ ने सिंगापुर में शांगरी-ला संवाद के दौरान प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत खास तौर से हिंद महासागर क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए हुए है। शांगरी-ला संवाद में बोलते हुए उन्होंने जिक्र किया कि भारत उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने के लिए भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता का निर्माण भी कर रहा है। हेगसेथ ने कहा, 'हमने क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की भी प्रतिबद्धता जताई है।' उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने रक्षा क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विनिर्माण के विस्तार की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा-संबंधी संबंधों का भी आकलन किया। हेगसेथ ने क्षेत्र में अमेरिका की रक्षा रणनीति पर कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एशिया-प्रशांत दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र की सुरक्षा असंतुलित रूप से अमेरिकी सैन्य शक्ति पर टिकी हुई है। उन्होंने देशों से अपनी रक्षा में गंभीरता से निवेश करने का आह्वान किया।

बातचीत और बमबारी साथ-साथ: दशकों बाद इस्राइल-लेबनान की सीधी सैन्य वार्ता, पेंटागन में शांति प्रयासों पर चर्चा

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष के बीच शुक्रवार को इस्राइली सैनिक दक्षिणी लेबनान के दिब्बीन गांव में दाखिल हो गए। इससे उनका अभियान देश के भीतर और आगे बढ़ गया। इसी दौरान इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पांच लोगों की मौत देइर कानौन अल नहर और अब्बासियेह गांवों पर हुए हवाई हमले में हुई, जबकि एब्बा गांव में एक नगरपालिका पुलिसकर्मी की जान चली गई। उधर, वॉशिंगटन स्थित पेंटागन में लेबनान और इस्राइल के सैन्य अधिकारियों के बीच दशकों बाद पहली प्रत्यक्ष सैन्य वार्ता हुई। छह सदस्यीय लेबनानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने इस्राइली अधिकारियों से मुलाकात की। पेंटागन ने वार्ता को सकारात्मक बताया और कहा कि इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा व स्थिरता के लिए व्यावहारिक ढांचे तैयार करने पर चर्चा हुई। वार्ता के निष्कर्ष अगले सप्ताह अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा राजनीतिक नेताओं के साथ होने वाली बातचीत का आधार बनेंगे।

लेबनान ने क्या मांग रखी : लेबनानी प्रतिनिधिमंडल ने संघर्षविराम को व्यापक रूप से लागू करने और 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम की निगरानी करने वाली समिति को फिर से सक्रिय करने की मांग रखी। लेबनानी अधिकारियों ने यह भी कहा कि संघर्षविराम के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद सीमा पर लेबनानी सेना की तैनाती और दक्षिणी लेबनान से इस्राइली सैनिकों की वापसी जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत में कहा कि किसी भी अन्य मुद्दे पर आगे बढ़ने से पहले संघर्षविराम का पूरा तरह पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बीच इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों के लिए निकासी चेतावनी जारी की, जिसके बाद सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित क्षेत्रों में जाना पड़ा।

दक्षिणी लेबनान में संघर्ष जारी : दक्षिणी लेबनान में योहमोर और जवतर अल-शर्कियेह गांवों के आसपास इस्राइली सेना और हिजबुल्लाह लड़ाकों के बीच झड़पें जारी रहीं। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने योहमोर के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। ये गांव ऐतिहासिक ब्यूफोर्ट किले के पास स्थित हैं, जो इजरायल-लेबनान सीमा से करीब 15 किलोमीटर दूर है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उत्तरी मोर्चे का दौरा करते हुए कहा कि उनकी सेना लितानी नदी पार कर रणनीतिक क्षेत्रों में नियंत्रण स्थापित कर चुकी है और हिजबुल्लाह को करारा झटका दे रही है। उन्होंने कहा कि इस्राइल बेरूत, बेका घाटी और पूरे मोर्चे पर अभियान चला रहा है।

अमेरिका-ईरान में युद्धविराम को बढ़ाने पर चर्चा : इस बीच अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों के बीच गुरुवार को युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने को लेकर एक प्रारंभिक सहमति बनने की खबर सामने आई। हालांकि ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी एक संभावित समझौते की बात कही, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे मंजूरी देंगे या नहीं।

हिजबुल्लाह सांसद ने क्या कहा : हिजबुल्लाह सांसद हसन फदलल्लाह ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होता है तो लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई रुक सकती है। मार्च में शुरू हुए ताजा इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष में अब तक लेबनान में 3,200 लोगों की मौत हो चुकी है और 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

चीन की सीक्रेट एजेंट निकली पूर्व अमेरिकी मेयर: अदालत में कबूला गुनाह, 10 साल के लिए जाएंगी जेल!

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया से एक चौंकाने वाली खबर आई है। अर्काडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने अदालत में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उन पर आरोप था कि उन्होंने अमेरिकी सरकार को बिना बताए चीन के एजेंट के रूप में काम किया। 56 साल की वांग ने माना कि उन्होंने चीनी अधिकारियों के इशारे पर काम किया था। वे अपनी वेबसाइट पर चीन के पक्ष वाली खबरें शेयर करती थीं। अमेरिकी कानून के मुताबिक ऐसा करने से पहले सरकार को सूचना देना जरूरी है।

मंगेतर के साथ मिलकर चलाया प्रोपेगेंडा : संघीय वकीलों के मुताबिक यह पूरा मामला साल 2020 से 2022 के बीच का है। वांग और उनके तत्कालीन मंगेतर याओनिंग 'माइक' सन ने चीनी अधिकारियों के लिए काम किया। दोनों मिलकर 'यूएस न्यूज सेंटर' नाम की वेबसाइट चलाते थे। इस वेबसाइट के जरिए वे चीन का प्रचार करते थे। जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग को एक लिंक भेजा था। यह लॉस एंजेलिस टाइम्स में छपा एक पत्र था। इसमें शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों को झूठा बताया गया था। वांग ने कुछ ही मिनटों में इसे अपनी वेबसाइट पर पोस्ट कर दिया था।

कार्रवाई में क्यों हुई देरी : एलीन वांग नवंबर 2022 में अर्काडिया की सिटी काउंसिल में चुनी गई थीं। इसके बाद वे मेयर बनीं। जब उनके खिलाफ एफबीआई की जांच शुरू हुई, तो लोगों ने इस्तीफे की मांग की। लेकिन कार्यवाहक मेयर पॉल चेंग ने कहा कि उनके हाथ कानून से बंधे थे। शहर के नियमों के मुताबिक किसी को दोषी साबित होने से पहले पद से नहीं हटाया जा सकता था। एलीन वांग ने इस महीने की शुरुआत में खुद ही इस्तीफा दे दिया था। लॉस एंजेलिस की अदालत में जज वेस्ली ह्सू के सामने वांग ने अपना दोष स्वीकार किया। सुनवाई के दौरान एक चीनी दुभाषिया भी मौजूद था। वांग के वकीलों का कहना है कि उनका यह रिश्ता 2024 में खत्म हो चुका है। वांग ने कहा कि उन्होंने गलत इंसान पर भरोसा किया, जिसने उन्हें भटका दिया। उनके पूर्व मंगेतर माइक सन को पिछले साल अक्टूबर में ही चार साल की जेल हो चुकी है।

रूस ने आर्मेनिया को दी धमकी: कहा- ईयू से बढ़ाई नजदीकियां, तो झेलना होगा निलंबन; पुतिन ने दी यूक्रेन जैसी चेतावनी

मॉस्को, एजेंसी। रूस के नेतृत्व वाले आर्थिक संगठन ने आर्मेनिया को बड़ी चेतावनी दी है। संगठन ने कहा है कि वह आर्मेनिया को बाहर निकाल सकता है। दरअसल, आर्मेनिया अब यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होना चाहता है। रूस के गुट को आर्मेनिया की यह बात पसंद नहीं आ रही है। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में एक बड़ा सम्मेलन हुआ। इस बैठक में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के नेता शामिल हुए। इन सभी नेताओं ने कहा कि आर्मेनिया के इस कदम से हमारी आर्थिक सुरक्षा को भारी खतरा है। इन चारों देशों के नेताओं ने अपने अधिकारियों को एक आदेश दिया है। अधिकारी दिसंबर में एक रिपोर्ट पेश करेंगे। इस रिपोर्ट में देखा जाएगा कि आर्मेनिया को हटाने से क्या असर पड़ेगा। इन नेताओं ने आर्मेनिया से अपने देश में जनमत संग्रह कराने को भी कहा है। वे चाहते हैं कि आर्मेनिया की जनता खुद चुने कि उन्हें यूरोपीय संघ में जाना है या रूस के आर्थिक गुट में रहना है। हालांकि, आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान इस मांग को पहले ही ठुकरा चुके हैं।

चुनाव से ठीक पहले बढ़ा विवाद : यह सारा विवाद आर्मेनिया के संसदीय चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ है। आर्मेनिया में सात जून को वोट डाले जाएंगे। निकोल पाशिन्यान साल 2018 से प्रधानमंत्री हैं। वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले साल अमेरिका ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच दशकों पुराना झगड़ा खत्म कराया था। इसके बाद से आर्मेनिया लगातार अमेरिका और यूरोपीय संघ के करीब जा रहा है। पाशिन्यान सरकार ने रूस के सैन्य संगठन में भी शामिल होना बंद कर दिया है। आर्मेनिया का पश्चिम की तरफ झुकाव रूस को नाराज कर रहा है।

पुतिन ने दी बड़ी आर्थिक तबाही की धमकी : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आर्मेनिया को साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश एक साथ दोनों संगठनों का हिस्सा नहीं रह सकता। पुतिन के मुताबिक, अगर आर्मेनिया इस गुट से बाहर गया तो उसे अपनी जीडीपी का 14 प्रतिशत नुकसान होगा। रूस ने आर्मेनिया पर दबाव बनाना भी शुरू कर दिया है। रूस ने आर्मेनिया की ब्रांडी, फलों और सब्जियों के आयात पर रोक लगा दी है।

अमेरिकी प्रतिबंधों पर ईरान का पलटवार, बोला- होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण नहीं पा सकेगा यूएस

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान की नई समुद्री प्रबंधन संस्था फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण (पीजीएसए) ने उस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की है। संस्था ने कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी गतिविधियां बिना किसी रुकावट के जारी रखेगी और गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को आवाजाही की अनुमति देती रहेगी। पीजीएसए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिका युद्ध और कूटनीति के जरिए जिस तरह होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण हासिल करने में विफल रहा, उसी तरह वह प्रतिबंध लगाकर भी अपने मकसद में सफल नहीं होगा। संस्था ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनुचित बताते हुए कहा कि इससे उसके कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दरअसल, अमेरिका ने हाल ही में पीजीएसए पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि ईरान इस संस्था का इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों से कथित तौर पर अवैध शुल्क वसूलने और उससे मिलने वाली आय को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) तक पहुंचाने के लिए कर रहा है। अमेरिकी वित्त विभाग के अनुसार, पीजीएसए को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था। अमेरिका का दावा है कि यह संस्था आईआरजीसी और उसकी नौसेना के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर दबाव बनाने का काम कर रही है। इसी वजह से इसे अमेरिकी प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की यह पहल दिखाती है कि अमेरिकी आर्थिक दबाव के कारण तेहरान को धन जुटाने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के तेल निर्यात और उसके वित्तीय नेटवर्क पर दबाव बनाए रखेगा। वहीं, पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि वह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में जहाजों के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए काम करती रहेगी। संस्था ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने निगरानी क्षेत्र की सीमाएं भी तय की हैं और कहा है कि इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों को उसके साथ समन्वय कर आवश्यक अनुमति लेनी होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच इस मुद्दे पर बढ़ता टकराव अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समुद्री व्यापार के लिए अहम माना जा रहा है।

शांगरी-ला डायलॉग: तकनीक से मजबूत होगा हिंद-प्रशांत क्षेत्र, भारत ने डाला प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रकाश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत ने शांगरी-ला संवाद 2026 के दौरान उच्च स्तरीय राजनयिक प्रयासों और अकादमिक सहभागिता के जरिये एक स्थिर व सुरक्षित हिंद-प्रशांत बनाने की बात कही है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक्स पर कहा, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हिंद-प्रशांत सुरक्षा संरचना की मजबूती, रक्षा औद्योगिक सहयोग तथा उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारियों पर अग्रणी थिंक टैंक व शिक्षाविदों से भारतीय रक्षा कूटनीति पर प्रकाश डाला।

रक्षा सचिव ने एक स्थिर, सुरक्षित और समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए भारत की रक्षा कूटनीति विषय पर क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सहभागिता के लिए भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। पोस्ट के अनुसार, इस चर्चा में सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले भी उपस्थित थीं, जो इस चर्चा के राजनयिक महत्व को रेखांकित करती है। बातचीत का मुख्य जोर सैन्य-से-सैन्य सहयोग मजबूत करने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने पर रहा। इस बीच, अमेरिकी रक्षा (युद्ध) मंत्री पीट हेगसेथ ने मुख्य भाषण से पहले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीतिक हितों की रक्षा के दूरदर्शी दृष्टिकोण की रूपरेखा स्पष्ट की। उनकी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की यह चौथी यात्रा है।

रणनीतिक जुड़ाव की जरूरत पर जोर : भारत-अमेरिका ने शांगरी-ला संवाद में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा-सुरक्षा सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत ने नाटो सैन्य समिति के अध्यक्ष, नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ भी बातचीत की। इस दौरान, रक्षा सचिव राजेश सिंह ने अमेरिका के इंडोपैकॉम के कमांडर, एडमिरल सैमुअल जे. पपरो के साथ चर्चा की। उन्होंने नाटो के साथ निरंतर रणनीतिक जुड़ाव बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

सुरक्षा चुनौतियों में बदलावों पर चर्चा : रक्षा सचिव ने नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ वैश्विक-क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजेश सिंह की वार्ता का केंद्र रणनीतिक संवाद बढ़ाने और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर विचारों का आदान-प्रदान करना था। उन्होंने प्रमुख बहुपक्षीय रक्षा संगठनों के साथ रचनात्मक जुड़ाव बनाए रखना जरूरी बताया। दोनों पक्षों ने उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रमुख थिंक टैंक और शिक्षाविदों से भी चर्चा की।

राजनयिक संबंध गहरे करेंगे: ऑस्ट्रेलिया : संवाद के दौरान ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने कहा, हम सहयोग को मजबूत करने के लिए राजनयिक और रक्षा संबंधों को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह शांगरी-ला संवाद एशिया का प्रमुख रक्षा-सुरक्षा शिखर सम्मेलन माना जाता है, जहां एशिया-प्रशांत, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया के रक्षा मंत्रियों, सैन्य प्रमुखों, नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं और सुरक्षा विशेषज्ञों को क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए जुटाते हैं।

ट्रंप-शी मुलाकात के बाद बढ़ा तनाव: अमेरिकी पत्रकार को चीन ने देश से निकाला, अब US ने ऐसे लिया बदला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच विवाद बहुत ज्यादा बढ़ गया है। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के ठीक बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के पत्रकारों पर कार्रवाई की है। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में काम कर रहे चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के एक पत्रकार का वीजा रद्द कर दिया है।

चीन ने पत्रकार विवियन वांग को देश छोड़ने का आदेश दे दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे कार्यक्रम में विवियन वांग की कोई भूमिका नहीं थी।

अमेरिका ने यह कदम चीन के फैसले के जवाब में उठाया है। दरअसल, चीन ने कुछ दिनों पहले 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की महिला पत्रकार विवियन वांग को अपने देश से निकाल दिया था। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर वीजा रद्द होने की पुष्टि की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने भी माना कि सरकार की ऐसी योजना थी।

ताइवान के मुद्दे पर चीन का गुस्सा : इस पूरे विवाद की असली वजह ताइवान से जुड़ा एक कार्यक्रम है। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के 'डीलबुक समिट 2025' में ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते का एक रिकॉर्डेड इंटरव्यू दिखाया गया था। इस शो के होस्ट एंड्रयू रॉस सोर्किन थे। सोर्किन ने इंटरव्यू के दौरान ताइवान को एक देश कह दिया था। इस बातचीत में लाई चिंग-ते ने ताइवान जलडमरूमध्य में चीन के आक्रामक रवैये की आलोचना की थी। उन्होंने अपने देश की रक्षा करने का संकल्प भी लिया था। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। इसी नाराजगी में

चीन में मिली थी सीधे टकराव की चेतावनी : यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब मध्य मई में राष्ट्रपति ट्रंप ने बीजिंग का दौरा किया था। उस शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने साफ तौर पर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तो चीन और अमेरिका के बीच सीधा टकराव हो सकता है।

चीन में लगातार सिमट रहा है विदेशी मीडिया : विदेशी पत्रकारों के संघ के अनुसार, साल 2020 से ही दोनों देशों के बीच पत्रकारों को लेकर खींचतान चल रही है। चीन लगातार अमेरिकी पत्रकारों के वीजा की अवधि घटा रहा है। अब उन्हें केवल एक से तीन महीने का वीजा मिल रहा है। इसके चलते चीन में अमेरिकी मीडिया घरानों के दफ्तरों में अब नाम मात्र के कर्मचारी बचे हैं। चीन के इस सख्त रवैये से अब दूसरे पश्चिमी मीडिया संगठन भी डर रहे हैं। उन्हें डर है कि ताइवान के नेताओं का इंटरव्यू करने पर उन्हें भी चीन से बाहर निकाला जा सकता है।

ईरान से डील को लेकर दुविधा में ट्रंप: परमाणु और होर्मुज संकट पर टली बड़ी घोषणा, अंतिम फैसले का अब भी इंतजार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बड़ी बैठक की। यह बैठक सिचुएशन रूम में हुई। इसमें ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ चर्चा की। इस बैठक में ईरान के साथ चल रहे तनाव पर बात हुई। दो घंटे की इस बातचीत के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया। दोनों देशों के बीच युद्धविराम बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। इसके साथ ही होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर भी चर्चा हो रही है। ईरान ने कहा है कि यह सौदा अभी पक्का नहीं हुआ है।

इस बैठक से पहले ट्रंप ने एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में अंतिम फैसला लेना चाहते हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बैठक की जानकारी दी। उन्होंने समाचार एजेंसी एपी को नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ट्रंप अपनी शर्तों पर ही समझौता करेंगे। वह ईरान के परमाणु मंसूबों को रोकना चाहते हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा कि ईरान को यह मानना होगा कि वह कभी परमाणु बम नहीं बनाएगा। ईरान के पास अभी 440.9 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम का भंडार है। यह 60 प्रतिशत तक शुद्ध है। परमाणु हथियार बनाने के लिए 90 प्रतिशत शुद्धता चाहिए होती है। ट्रंप चाहते हैं कि इस सामग्री को जमीन से खोदकर निकाला जाए। फिर इसे पूरी तरह नष्ट कर दिया जाए।

होर्मुज जलमार्ग का संकट : नए समझौते में होर्मुज जलमार्ग को खोलना सबसे बड़ी शर्त है। यह दुनिया का एक बहुत ही महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। ईरान को 30 दिनों के भीतर यहां से सभी समुद्री बारूदी सुरंगें हटानी होंगी। ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टैक्स नहीं लगा पाएगा। इसके बदले में अमेरिका ईरान के बंदरगाहों से नाकेबंदी हटाएगा। अमेरिका प्रतिबंधों में भी ढील देगा ताकि ईरान अपना तेल बेच सके। इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एक अचानक हमला किया था। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता और अन्य अधिकारी मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इस रास्ते को बंद कर दिया था। पहले यहां से रोज 100 से ज्यादा जहाज निकलते थे। अब सिर्फ दो दर्जन जहाज ही निकल पाते हैं। ईरान ने यहां टैक्स वसूलने के लिए एक नई एजेंसी बनाई है। इस वजह से अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने ओमान को भी इस मामले में दूर रहने की चेतावनी दी है।

दोनों पक्षों में अविश्वास : ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालीबाफ ने अमेरिका पर भरोसा करने से इनकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम बातचीत से नहीं बल्कि मिसाइलों से रियायतें हासिल करते हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि उनका ध्यान अभी सिर्फ युद्ध खत्म करने पर है। वे परमाणु योजना पर बात नहीं कर रहे हैं। ईरान चाहता है कि लेबनान में हिजबुल्लाह और इस्राइल के बीच भी लड़ाई रुके। इसके साथ ही ईरान अपनी फ्रीज की गई अरबों डॉलर की रकम भी वापस चाहता है। ईरान की संसद के एक वरिष्ठ नेता इब्राहिम अजीजी ने साफ कहा कि हम कैश के बदले कैश की नीति पर ही काम करेंगे। फिलहाल दोनों देशों के बीच सात हफ्तों से युद्धविराम जारी है। दोनों तरफ से छोटे-मोटे हमले और आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। लेकिन फिर भी दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर बने हुए हैं।

चमकदार त्वचा : केले के उपयोग से त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है। केले में विटामिन 'सी', 'ए', पोटाशियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस और कार्बोहाइड्रेट्स भरपूर मात्रा में मिलते हैं।ऐसे में इसे खाना और स्किन पर लगाना दोनों ही फायदेमंद होता है।

केला कैलोरियों का भंडार

- केले में 105 कैलोरी पाई जाती हैं जो शरीर को किसी भी प्रकार की कमजोरी से बचाती हैं
- यह आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है, यह आपके शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता है, आपको दिल के दौरे और स्ट्रोक से बचाता है
- केला खाने से अच्छी नींद आती है, नींद लाने के लिए रोज एक केला खाना बेहतर साबित हुआ है
- केले के उपयोग से त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है, यह अलसर जैसी बीमारीयों से भी बचाता है

बच्चों को केली बहुत भाता है जानते हैं क्यो, क्योंकि बच्चों को केले की मीठी सॉफ्टनेस पसंद होती है। आपने देखा होगा कि बच्चे अधिकांश सॉफ्ट चीजें ही लाईक करते हैं। चाहे वो खाने में हो या फिर किसी और चीज में। वैसे भी बच्चे कोमल होते हैं तो उनके लिए जाहिर हा कुदरत ने भी कुछ चीजें कोमल ही बनाई हैं । इसलिए केला बच्चों से लेकर बड़ो तक फायदा ही देता है। केला विटामिन, प्रोटीन व अन्य पोषक तत्वों से भरपूर है। केले में थाइमिन, रिबोफ्लेविन, नियासिन और फॉलिक एसिड के रूप में विटामिन ए और बी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। इसके अलावा केला ऊर्जा का सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है। दरसल केले में विटामिन सी विटामिन ए पोटाशियम और विटामिन बी-6 होता है। केला मैग्नोशियम का अच्छा स्त्रोत है, इसलिए यह बहुत जल्दी पच जाता है और आपके मेटाबॉलिज्म को दुरूस्त रखता है।

केले से मिलने वाले अन्य फायदे

ऊर्जा का स्त्रेत : केला ऊर्जा का बहुत अच्छा स्त्रेत माना गया है, इसमें औसतन 105 कैलोरी पाई जाती हैं जो शरीर को किसी भी प्रकार की कमजोरी से बचाती है। अगर आप व्यायाम करने के बाद थक जाते हैं, तो तुरंत एक केला खा लीजिए यह रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ा कर आपको शक्ति देगा।

मांसपेशियों में होने वाली ऐंठन से बचाता है : कभी-कभी आप बहुत ज्यादा मेहनत करते हैं जिसकी वजह से रात में पैरों में ऐंठन होने लगती हैं, इससे बचने के लिए केला खाएं, इसमें मैग्नीशियम और पोटाशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो आपके पैरों में होने वाली ऐंठन से बचाती है।

ब्लड प्रेशर नियंत्रित करता है : केले में पोटाशियम की मात्रा अधिक होती है और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है जिसकी वजह से यह आपके ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। यह आपके शरीर में पानी की कभी-कमी नहीं होने देता और आपके शरीर को दिल के दौरे और स्ट्रोक से बचाता है।

केले से ऐसिडिटी कम होती है : केले में ऐसे बहुत से तत्व पाए जाते हैं जो अम्लता यानि ऐसिडिटी से बचाते हैं। यह आपके पेट में अंदरूनी परत चढ़ा कर अलसर जैसी बीमारीयों से बचाता है।

कब्ज को दूर करता है : केले में फाइबर पाया जाता है, जिससे पाचन क्रिया मजबूत बनती है। गैस्ट्रिक की बीमारी वाले लोंगो के लिए केला बहुत प्रभावशाली उपचार है। वे लोग जिन्हें कब्ज की शिकायत रहती है, उन्हें केला खाना चाहिए।

दस्त से बचाता है : डायरिया की वजह से आपके शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे कमजोरी होने लगती है। केले में पोटाशियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इस लिए केला खाने से दस्त से बचा जा सकता है।

केले में प्रोबायोटेक तत्व पाएं जाते हैं : केले में एफओऐस के तत्व पाए जाते हैं, जो आंतों में गुणकारक जीवाणु का विकास कर के आपको पेट से जुड़ीं बीमारीयों से बचाता है।

केला खाने से अच्छी नींद आती है : केले में ट्रीप्टोफेन बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है जो सेरोटोनिन में बदल कर आपके मूड़ को अच्छा और एकाग्रता के स्तर को बढ़ाता है। जिससे आपको अच्छी नींद आती है।

अब खाने के साथ आप बाउल भी खा जाएं

नई दिल्ली। फास्टफुड नेटवर्क संचालित करने वाली एक कंपनी ने पर्यावरण हितैषी पैकेजिंग पर जोर देते हुए अपने उत्पादों को खाने योग्य राइस बाउल में परोसने का परीक्षण शुरू किया है।कंपनी ने कहा कि बेंगलुरु स्थिति उसके दो रेस्तरां में इस बाउल का परीक्षण बृहस्पतिवार से शुरू हुआ। यह 04 मई तक चलेगा। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो इसका विस्तार दुनिया के दूसरे देशों में भी किया जाएगा। इस बाउल में शाकाहार और मांसाहार दोनों परोसे जा रहे हैं। इसकी शुरुआती कीमत 89 रपए है। कंपनी ने कहा कि खाने योग्य यह राइस बाउल प्लास्टिक बाउल की जगह दिया जा रहा है। यह टॉरटिला से तैयार किए गए हैं। कुरकुरे टॉरटिला से निर्मित यह बाउल खाने योग्य है और पूरी तरह से बायो डिग्रेडेबल भी है। कंपनी अपने स्टोर में ही टॉरटिला आटे से ताजा बाउल तैयार कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक राहुल शिंदे ने कहा कि सामाजिक और पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार कंपनी होने के नाते वह किफायती और दीर्घकालिक समाधानों की तलाश कर रही है। कंपनी के देश में 81 शहरों में 300 से स्टोर है। इसी तरह से पूरी दुनिया के 130 देशों में 19 हजार से अधिक स्टोर हैं।

इस बाउल में शाकाहार और मांसाहार दोनों परोसे जा सकते हैं

इस बाउल की शुरुआती कीमत 89 रुपए है

नौकरी से बाहर किया तो विमान के कर दिए टुकड़े

रूस। बात जब नौकरी की हो तो इंसान अपनी नौकरी बचाने के लिए हर संभव प्रयार करता है पर जब बात नहीं बनती तो गुस्सा आना लाजमी है। यही हुआ इस कर्मचारी के साथ यहां की एक विमान कंपनी में काम करने वाले एक कर्मचारी को जब नौकरी से निकाल दिया गया तो उसे इतना गुस्सा आया कि उसने डिगर से विमान ही तोड़ डाला। ये व्यक्ति रूसी एयरलाइन ''यूटीएयर' में काम करता था। जैसे ही उसे बताया गया कि कंपनी को उसकी जरूरत नहीं है, वह गुस्से में आ गया और उसने डिगर से विमान की कॉकपिट पर कई बार वार किए जिससे उसमें बड़ा सा छेद हो गया। ये विमान तीन इंजिनों वाला था। ये विमान बेकार हो चुके थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

लॉफिंग ज़ोन

पत्नी शराबी पति के शराब के अवगुण बताते हुए कह रही है, शराब एक धीमा जहर है। जो धीरे-धीरे मौत की ओर से जाता है।

ठीक है, इधर मरने की किसे जल्दी पडी है। पति इत्मिनान से बोला

□ □ □

नवबिवाहित बंतो- अगर मैं कभी मोटी हो जाऊंगी तब भी तुम मुझे ऐसे ही चाहते रहोगे।

बता- हरगिज नही, मैने सिर्फबुरे दिनों में साथ रहने का वचन दिया है। मोटे पतले की कोई बात तय नहीं हुई थी।

□ □ □

पत्नी: 'हमारे पड़ोस में नए डॉक्टर रहने आए हैं, हमें उनसे मेल बढ़ाना चाहिए। क्या पता कब काम आ जाएं?'

पति: 'उनसे काम तो मरने के बाद ही पड़ेगा।'

पत्नी: 'क्यों?'

पति: 'वह तो सिर्फ पोस्टमॉर्टम करते हैं।'

□ □ □

फौजा सिंह- डॉक्टर साहब , मेरी पत्नी का शरीर बुखार से आग हो गया है।

डॉक्टर- तो आप फायर ब्रिगेड की मदद लीजिए, मैं फोन नम्बर बताता हूं।

काकुरो पहेली - 4071

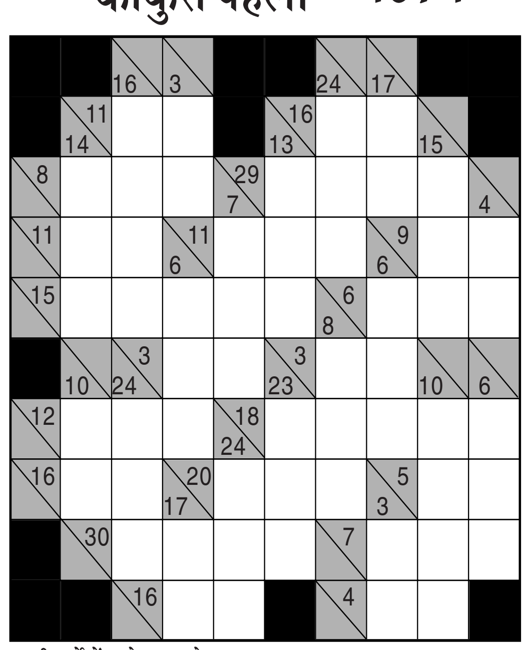

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

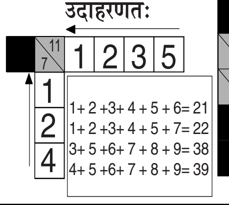

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4070 का हल

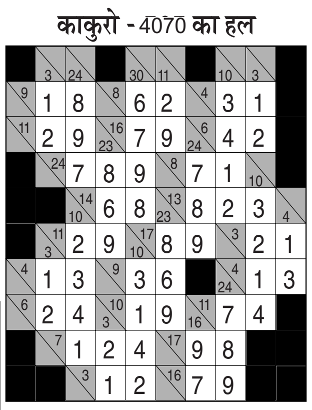

फिल्म वर्ग पहेली- 4071

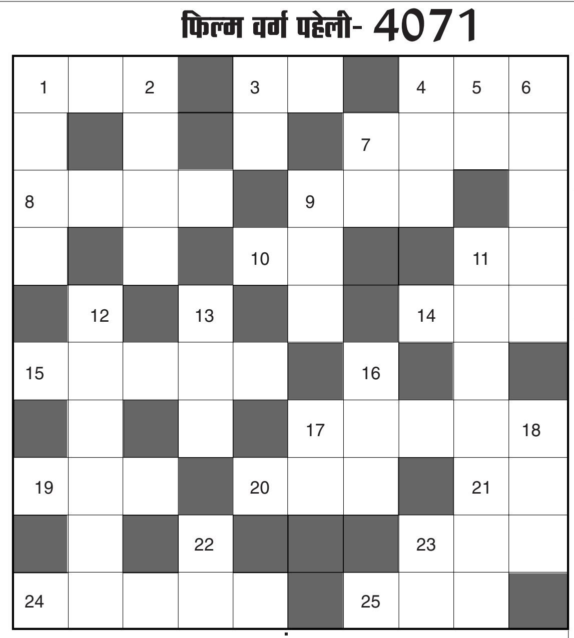

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4070

वि	वा	ह		इ	श्क	वि	श्क		टा
द्या		मे		श्क		धा		फ	र्ज
बा	द	शा	ह		शै	ता	न		न
ल			सी	मा			का	ल	
न	ज	रा	ना		श	बा	ब		सं
	मी	ना		ना	रा	ज		दा	ता
आ	न		का		बी		ना	दा	न
शि		जो	शी	ले		फि	जा		
क	शि	श		कि	ला		य	हू	दी
	वा		डॉ	न		आ	ज		पा

सूडोकु -'4071

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4070 हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 4071

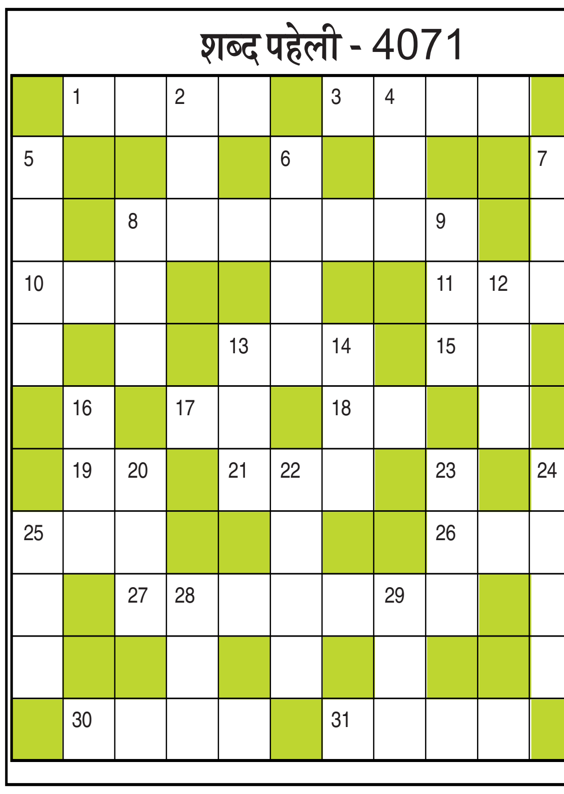

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -4070 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का झारखंड दौरा छह जून को

एजेंसी

रांची। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का दो दिवसीय झारखंड दौरे का आधिकारिक कार्यक्रम तय हो गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का आगामी 06 एवं 07 जून को झारखंड दौरा होना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद राज्य में यह उनका पहला दौरा है। उक्त जानकारी भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाऊरी ने दी। उन्होंने बताया कि इन दो दिन में कई कार्यक्रमों और सांगठनिक बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष हिस्सा लेंगे। बाउरी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष 06 जून को पूर्वाह्न 11.30 बजे सेवा विमान के द्वारा रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद एयरपोर्ट के समीप ही उनका पौधारोपण का कार्यक्रम है। इसके बाद भारत रत्न स्व.कर्पूरी ठाकुर, धरती आबा बिरसा मुंडा, स्व. कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण का उनका कार्यक्रम है। तत्पश्चात उनका आगमन भाजपा प्रदेश कार्यालय में होगा। इसी दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के 07 जून के प्रस्तावित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के कूचू, ओरमांझी स्थित आवास पर उनका अल्पाहार का कार्यक्रम है। इस दिन ही राष्ट्रीय अध्यक्ष आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे।

ग्रैंड वेनिस मॉल के मालिक सतिंदर सिंह भसीन गिरफ्तार, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने ग्रेटर नोएडा स्थित ग्रैंड वेनिस मॉल के मालिक सतिंदर सिंह भसीन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। ईडी की लखनऊ जोनल कार्यालय ने भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (बीआईआईपीएल) से जुड़े धनशोधन मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद, विशेष पीएमएलए अदालत, गाजियाबाद ने उन्हें छह जून तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। ईडी के अनुसार सतिं दर सिंह भसीन लगातार समन से बच रहे थे और जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे। उच्चतम न्यायालय ने 15 मई के अपने आदेश में ईडी को उन्हें हिरासत में लेने का निर्देश दिया था। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा बीआईआईपीएल, ग्रैंड वेनिस समूह की कंपनियों, सतिंदर सिंह भसीन, क्विंसी भसीन और अन्य के खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी। इन मामलों में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच में आरोप है कि आरोपितों ने रियल एस्टेट परियोजनाओं में निवेशकों से व्यावसायिक इकाइयों की समय पर डिलीवरी का वादा कर करोड़ों रुपये जुटाए, लेकिन परियोजनाएं न तो पूरी की गईं और न ही इकाइयों का कब्जा सौंपा गया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी साझा की। पीएमओ की ओर से जारी पोस्ट में कहा गया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। मुख्यमंत्री सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर मैं स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैंने उन्हें असम में एनडीए 3.0 सरकार के तहत हमारी प्रगति के बारे में जानकारी दी, उनके निरंतर समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और आने वाले वर्षों में उनके निरंतर आशीर्वाद और मार्गदर्शन की कामना की। '

बंगाल में निजी अस्पतालों के 15 प्रतिशत बिस्तर गरीबों के लिए होंगे आरक्षित : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के उद्देश्य से राज्य के सभी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में कम से कम 15 प्रतिशत बिस्तर जरूरतमंद मरीजों के लिए आरक्षित रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा शनिवार को साल्ट लेक स्थित बिधाननगर उपमंडलीय अस्पताल में किशोरियों के लिए निःशुल्क मानव पैपिलोमा विषाणु (एचपीवी) टीकाकरण कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में आरक्षित किए जाने वाले ये बिस्तर गरीब मरीजों के निःशुल्क उपचार तथा उन परिस्थितियों में उपयोग किए जाएंगे, जब सरकारी अस्पतालों में बिस्तर उपलब्ध नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत 527 करोड़ प्राप्त हुए हैं, जबकि आयुष्मान भारत योजना के लिए अतिरिक्त 976 करोड़ आवंटित किए गए हैं। इस योजना के तहत राज्य के लगभग 1.36 करोड़ परिवारों को नकदरहित उपचार की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के लाभार्थी देशभर के सभी एम्स और अन्य सूचीबद्ध अस्पतालों में उपचार प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, दूसरे राज्यों में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों को भी इस योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा ताकि उन्हें कार्यस्थल पर भी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

दंतेवाड़ा के जंगलों में स्वास्थ्य की दस्तक, डॉक्टरों ने तय किया 13 किलोमीटर का सफर

एजेंसी

नई दिल्ली। दंतेवाड़ा के घने जंगलों और कठिन पहाड़ियों के बीच बसे गांव बड़ेपल्ली में अब बदलाव की नई तस्वीर दिखाई देने लगी है। कभी नक्सल प्रभाव और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सरकारी सेवाओं से दूर माने जाने वाले इस गांव तक अब स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार पहुंच रही है। 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 13 किलोमीटर लंबा कठिन पहाड़ी रास्ता पैदल तय कर बड़ेपल्ली पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। जंगलों और पथरीले रास्तों से गुजरकर गांव पहुंची टीम ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराईं। स्वास्थ्य शिविर में 227 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान मलेरिया, सिकल सेल, हीमोग्लोबिन, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की जांच की गई। जरूरतमंद मरीजों को मौके पर ही उपचार और निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। शिविर में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया। जांच के दौरान एक हाई रिस्क गर्भवती महिला को बेहतर उपचार और सुरक्षित प्रसव के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज से पीड़ित 12 मरीजों को आगे के इलाज के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सरकार दूरस्थ बस्तर तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' से ग्रामीणों को गांव के पास ही उपचार और जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को आयुष्मान भारत योजना, पोषण, स्वच्छता और सुरक्षित मातृत्व के प्रति भी जागरूक किया।

केरल विस्फोटक बरामदगी मामले में एनआईए की तीन राज्यों में 19 जगहों पर छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरल के मलप्पुरम जिले में बड़ी मात्रा में अवैध विस्फोटक बरामद होने के मामले में केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में 19 स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और जिलेटिन की छड़ें समेत कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। एनआईए के अनुसार, यह कार्रवाई मामले के आरोपितों के परिसरों के अलावा विस्फोटकों के डीलरों और निर्माताओं के ठिकानों पर की गई। एजेंसी अब तक इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में सामने आया है कि बड़ी मात्रा में अवैध रूप से हासिल किए गए विस्फोटकों के कारण इस मामले के राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर पहलू हैं। मामला फरवरी 2026 में सामने आया था, जब केरल पुलिस ने मलप्पुरम जिले के चेम्माड-थलप्पारा रोड स्थित फरहा हॉलो ब्रिक्स कंपनी परिसर में खड़े एक ट्रक से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए थे। बरामद सामग्री में 448 बक्सों में रखी 89,600 जिलेटिन छड़ें और 35 बक्सों में रखे 10,500 गैर-विद्युत डेटोनेटर शामिल थे। खेप बिना वैध लाइसेंस के प्राप्त की गई थी और इसका इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में किया जाना था।

गांधी और नेहरू ने भी अंग्रेजों से मांगी थी दया की अर्जी : सुनील देवधर

एजेंसी

लखनऊ। माय होम इंडिया की ओर से स्वातंर्त्यवीर सावरकर जयंती महोत्सव 2026 का आयोजन भागीदारी भवन लखनऊ में किया गया। इस अवसर पर माय होम इंडिया के संस्थापक सुनील देवधर ने कहा कि वीर सावरकर का जीवन राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के लिए समर्पित था।

सुनील देवधर ने कहा कि महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू एवं भगत सिंह समेत सभी क्रान्तिकारियों ने अंग्रेजों से दया की अर्जी मांगी थी। मोतीलाल नेहरू ने अंग्रेजों को लिखा कि मेरे बेटे को चूहों से डर लगता है। राहुल गांधी को शर्म आनी चाहिए, वह कहते हैं कि सावरकर ने अंग्रेजों से माफी मांगी। वीर सावरकर ने माफी नहीं, दया की अर्जी मांगी थी। वह नेहरू एवं महात्मा गांधी ने भी मांगी थी। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर ने अपनी बेड़ियों की धार से कविता लिखना शुरू किया। पूरी दीवार कविता से भर गयी। उन्होंने उसे याद कर लिया। छः हजार पंक्तियां सावरकर ने जेल में लिखीं। सावरकर ने धर्मान्तरण का विरोध किया। हिन्दू कैदियों से कहा कि तुम उनके हाथ से खाने से मुसलमान नहीं बनोगे। उन्होंने हिन्दुओं को जाग्रत कर धर्मान्तरण रोका। सावरकर ने प्रातःकाल जेल में शंखनाद शुरू कराया। कैदियों को पढ़ना लिखना सिखाया। उन्होंने समाज में जातिगत भेदभाव समाप्त करने और सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। मुख्य अतिथि के रूप में बाल विकास एवं महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि वीर सावरकर का जीवन मातृभूमि के प्रति समर्पण और त्याग की प्रेरणा देता है। कहा कि सावरकर केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार हैं। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने उन्हें राष्ट्रभक्ति, साहस और अदम्य संकल्प का प्रतीक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में वीर सावरकर का योगदान अविस्मरणीय है तथा उनका त्याग और समर्पण विकसित भारत के निर्माण में सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

सांसद अभिषेक बनर्जी की भर्ती को लेकर बढ़ा विवाद, ममता के वीडियो से सियासी तूफान

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस समय नया विवाद खड़ा हो गया जब तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को अस्पताल में भर्ती नहीं किए जाने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी का एक वीडियो सामने आया। वीडियो में ममता बनर्जी बेल व्यू क्लिनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप टंडन से नाराजगी जताती और अभिषेक बनर्जी को भर्ती नहीं किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करती दिखाई दे रही हैं।

वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि जिस मामले में ममता बनर्जी ने शनिवार रात अस्पताल प्रबंधन पर भाजपा और पुलिस अधिकारियों के दबाव का आरोप लगाया था, उसी मामले में अब वह स्वयं अस्पताल के शीर्ष अधिकारी पर दबाव बनाती नजर आ रही हैं। भाजपा विधायक तरुण ज्योति तिवारी ने वीडियो साझा करते हुए मुख्यमंत्री पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी लंबे समय से झूठ की राजनीति करती रही हैं और चुनावी झटकों के बावजूद उनका रवैया नहीं बदला है।

जानकारी के अनुसार, सोनारपुर में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई एक घटना के बाद अभिषेक बनर्जी को पहले अपोलो अस्पताल कोलकाता ले जाया गया था। वहां चिकित्सकों ने उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता नहीं बताई। इसके बाद उन्हें बेल व्यू क्लिनिक ले जाया गया।

शनिवार रात अस्पताल के बाहर मीडिया से बातचीत में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि बेल व्यू क्लिनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप टंडन पर दक्षिण कोलकाता के पुलिस उपायुक्त द्वारा दबाव बनाया जा रहा था और भाजपा के प्रभाव में अभिषेक को भर्ती नहीं किया गया।

हालांकि, रविवार को सामने आए वीडियो के बाद भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने पलटवार किया है। विपक्ष का कहना है कि यदि चिकित्सकों ने चिकित्सकीय आधार पर भर्ती की आवश्यकता नहीं समझी, तो अस्पताल प्रशासन पर किसी भी प्रकार का दबाव बनाना उचित नहीं है।

इस बीच बेल व्यू क्लिनिक की मेडिकल रिपोर्ट में कहा गया है कि 38 वर्षीय अभिषेक बनर्जी की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य थी। जांच में किसी गंभीर चोट के संकेत नहीं मिले और केवल छाती पर हल्की चोट का उल्लेख किया गया। चिकित्सकों ने उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता नहीं बताई तथा कुछ दिनों तक आराम और दवा लेने की सलाह दी।

वीडियो सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। जहां भाजपा मुख्यमंत्री के व्यवहार पर सवाल उठा रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि विपक्ष इस पूरे मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहा है। फिलहाल, अस्पताल प्रबंधन की ओर से विवाद और वायरल वीडियो पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

मप्र एसटीएफ को बड़ी सफलता, अंतरराष्ट्रीय कछुआ तस्कर मुरुगेसन की जमानत याचिका खारिज

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएफ) को वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध अभियान में बड़ी सफलता मिली है। अंतरराष्ट्रीय कछुआ तस्कर मुनीव्रम मुरुगेसन की जमानत याचिका को उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली ने निरस्त कर दिया है। जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश में वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एसटीएफ के प्रयासों से थाईलैंड सरकार से प्रत्यर्पण की स्वीकृति मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय तस्कर मुनीव्रम मुरुगेसन को भारत लाया गया था। वर्तमान में वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में निरुद्ध है। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, आरोपी मुरुगेशन द्वारा उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका (स्पेशल लीव टू अपील) दायर की गई थी। गत दिवस हुई सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने मामले की परिस्थितियों, प्रत्यर्पण प्रक्रिया की प्रगति तथा उपलब्ध तथ्यों का परीक्षण कर उसे निरस्त कर दिया। राज्य टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएफ) द्वारा आरोपी के संबंध में आवश्यक दस्तावेज एवं तथ्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इस कार्रवाई में भारत सरकार के संबंधित विभागों एवं एजेंसियों का भी सहयोग प्राप्त हुआ। जनसम्पर्क अधिकारी जोशी ने बताया कि आरोपी मुरुगेसन के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वन्यजीव तस्करी के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इंटरपोल द्वारा उसके विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। वह दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की अंतरराष्ट्रीय तस्करी में संलिप्त रहा है। आरोपी को वर्ष 2018 में मध्य प्रदेश वन विभाग एवं एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। उसके विरुद्ध विभिन्न न्यायालयों में विधिक कार्रवाई जारी है। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, वन्यजीव तस्करी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में उच्चतम न्यायलय के इस निर्णय को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी और उसके विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई से वन्यजीव अपराधों पर अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी। एसटीएफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश सरकार वन्यजीवों की सुरक्षा और अवैध तस्करी पर रोक लगाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

हलाल सर्टिफिकेशन विवाद : मौलाना इब्राहिम हुसैन और सिराज खान ने बहिष्कार अभियान का किया विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली । गोकुल डेयरी प्रोडक्ट्स को मिले हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर कुछ हिंदू संगठनों द्वारा चलाए जा रहे बहिष्कार अभियान पर मुस्लिम धर्मगुरुओं और संगठनों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। इस मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए मौलाना इब्राहिम हुसैन ने कहा कि हलाल सर्टिफिकेशन का विरोध करना उचित नहीं है, क्योंकि यह केवल धार्मिक प्रक्रिया से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निर्यात से भी संबंधित है। उन्होंने कहा कि हलाल प्रमाणन की एक निर्धारित प्रक्रिया होती है और इसके माध्यम से उत्पादों को कई विदेशी बाजारों में मान्यता प्राप्त होती है, जिससे भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर व्यापार करने में सुविधा मिलती है। मौलाना इब्राहिम हुसैन ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि हलाल सर्टिफिकेट के माध्यम से भारतीय उत्पादों को खाड़ी देशों सहित कई मुस्लिम बहुल देशों में स्वीकार्यता मिलती है। इससे भारत के निर्यात को बढ़ावा मिलता है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार के प्रमाणपत्रों का विरोध किया जाएगा तो इसका नकारात्मक असर व्यापार और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि इस तरह के विरोध से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि और सामाजिक सोच को लेकर भी सवाल खड़े हो सकते हैं।वहीं, जमीयत उलेमा-ए-मुंबई के अध्यक्ष सिराज खान ने भी गोकुल डेयरी के बहिष्कार की मांग करने वाले संगठनों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यदि हलाल सर्टिफिकेशन पर आपत्ति है तो यह भी पूछा जाना चाहिए कि संबंधित कंपनी ने यह प्रमाणपत्र क्यों प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि कई देशों में खाद्य और डेयरी उत्पादों के निर्यात के लिए हलाल प्रमाणन आवश्यक शर्त होती है।

शराब की टेट्रा पैक पैकेजिंग पर रोक लगाने की मांग, हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर

ज्योति दर्पण

नई दिल्ली। शराब की बिक्री के लिए इस्तेमाल किए जा रहे टेट्रा पैक और सैशे जैसी पैकेजिंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन के संस्थापक प्रिंस सिंघल ने अदालत से आग्रह किया है कि ऐसी पैकेजिंग पर रोक लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को नीति बनाने के निर्देश दिए जाएं।

याचिका में कहा गया है कि टेट्रा पैक में शराब की पैकेजिंग नाबालिगों को आकर्षित करती है और कम उम्र में शराब सेवन को बढ़ावा दे सकती है। इसके अलावा, इन पैकों का स्वरूप जूस या सॉफ्ट ड्रिंक के पैकेट जैसा होने के कारण इन्हें सार्वजनिक स्थानों पर आसानी से छिपाकर ले जाया और इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे कानून प्रवर्तन में भी मुश्किलें पैदा होती हैं। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि टेट्रा पैक का पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) बेहद कठिन है, क्योंकि इनमें कार्डबोर्ड, प्लास्टिक और एल्युमीनियम की कई परतें होती हैं। साथ ही, गर्मी या धूप के संपर्क में आने पर इन पैकेजिंग सामग्रियों से रासायनिक तत्व शराब में मिल सकते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। याचिकाकर्ता प्रिंस सिंघल ने बताया कि देश में शराब पीकर वाहन चलाने की समस्या लगातार बढ़ रही है और टेट्रा पैक जैसी पैकेजिंग इस खतरे को और बढ़ा सकती है। उनके अनुसार, ऐसी पैकेजिंग वाहन चालकों के लिए चलते वाहन में शराब का सेवन आसान बनाती है और उपयोग के बाद इसे आसानी से फेंका भी जा सकता है।

याचिका में सड़क दुर्घटनाओं और शराब पीकर वाहन चलाने से होने वाली मौतों के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि यह एक गंभीर सार्वजनिक सुरक्षा का विषय है। इसमें दावा किया गया है कि देश में हर साल बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं और मौतें होती हैं, जिनमें शराब पीकर वाहन चलाना एक प्रमुख कारण है।

याचिका में अदालत से प्रमुख मांगें

टेट्रा पैक, सैशे और अन्य ऐसी भ्रामक पैकेजिंग में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए नीति बनाई जाए। राज्य सरकारों को अपने-अपने आबकारी कानूनों, नियमों और नीतियों में संशोधन करने के निर्देश दिए जाएं। बॉटलिंग की एक समान परिभाषा तय की जाए, जिसमें केवल कांच की बोतलों या स्पष्ट रूप से पहचाने जाने वाले कंटेनरों में शराब की बिक्री की अनुमति हो।

मेघालय में सैन्य अभ्यास 'प्रगति 2026' का सफल समापन, 13 देशों के 400 से अधिक सैनिकों ने लिया भाग

ज्योति दर्पण

शिलांग। मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में आयोजित बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास 'प्रगति 2026' का सफलतापूर्वक समापन हो गया। 72 घंटे तक चले व्यापक सत्यापन अभ्यास के साथ संपन्न इस आयोजन ने सहभागी देशों की सेनाओं के बीच आपसी समन्वय, विश्वास और सामूहिक सैन्य तैयारी को नई मजबूती प्रदान की। 'पार्टनरशिप ऑफ रीजनल आर्मीज फॉर ग्रोथ एंड ट्रांसफॉर्मेशन इन द इंडियन ओशन रीजन (प्रगति)' के तहत आयोजित इस अभ्यास में भारत सहित 13 देशों के 400 से अधिक सैन्यकर्मियों ने भाग लिया। इनमें भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम शामिल थे। अभ्यास का आयोजन अर्द्ध-पहाड़ी और घने जंगलों वाले चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में किया गया। समापन समारोह में छह उप सेना प्रमुखों समेत 40 से अधिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया। भारतीय सेना के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने विदेशी प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत किया और रक्षा सहयोग को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न देशों के सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। अभ्यास के दौरान सैनिकों को आतंकवाद-रोधी अभियानों से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान, प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मिश्रित दलों में कार्य करते हुए प्रतिभागियों ने रॉक क्राफ्ट, घात और प्रति-घात अभियान, स्लिथरिंग, जंगल लेन शूटिंग, कमरों और बसों में हस्तक्षेप अभियान, आईईडी की पहचान तथा घायलों की निकासी जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यासों में हिस्सा लिया। अधिकारियों के अनुसार, इस अभ्यास की सबसे बड़ी उपलब्धि विभिन्न देशों के सैनिकों के बीच विकसित हुआ आपसी विश्वास, सौहार्द और पेशेवर सहयोग रहा। कठिन परिस्थितियों में संयुक्त प्रशिक्षण और संचालन ने सहभागी सेनाओं के बीच बेहतर समझ और समन्वय को बढ़ावा दिया। अभ्यास के अंतर्गत भारतीय सेना ने फिक्की और आर्मी डिज़ाइन ब्यूरो के सहयोग से स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों और अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों की प्रदर्शनी भी आयोजित की। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश की बढ़ती रक्षा उत्पादन क्षमता को प्रदर्शित किया गया तथा रक्षा उद्योग सहयोग और निर्यात संभावनाओं को प्रोत्साहन मिला।

सैन्य अधिकारियों ने कहा कि 'प्रगति 2026' ने सहभागी देशों की सेनाओं के बीच सामंजस्य और सामूहिक तैयारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अभ्यास की सफलता भविष्य में इसके और व्यापक विस्तार का आधार बनेगी तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि के प्रति साझेदार देशों की साझा प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगी।

विदेश मंत्रालय के मुख्यालय की सुरक्षा के लिए सुषमा स्वराज भवन में सीआईएसएफ की तैनाती

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की सुषमा स्वराज भवन स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में औपचारिक तैनाती की गई। 90 कर्मियों की स्वीकृत संख्या के साथ सीआईएसएफ ने परिसर में सुरक्षा कर्तव्यों का प्रभार संभाला। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (कार्मिक) तरुण कुमार ने सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक, सीजीबीएस जी. शिवकुमार, सुरक्षा ब्यूरो के निदेशक कर्नल मनोज यादव और कमांडेंट (ऑपरेशन) नीरज कुमार के साथ-साथ वरिष्ठ सीआईएसएफ अधिकारियों और विदेश मंत्रालय प्रबंधन के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सीआईएसएफ कोट का उद्घाटन किया। इस तैनाती के साथ भारत के प्रमुख राजनयिक प्रतिष्ठानों में से एक को सीआईएसएफ की पेशेवर सुरक्षा प्रदान की गई है। सीआईएसएफ को देश भर में महत्वपूर्ण सरकारी बुनियादी ढांचे, नागरिक उड्डयन सुविधाओं, परमाणु प्रतिष्ठानों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। इससे पहले केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने यहां उत्तरी सेक्टर और हवाई अड्डा सेक्टर में परिचालन तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के लिए एक परिचालन समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न इकाइयों के कमांडरों ने भाग लिया, जहां सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने, बेहतर अंतर-एजेंसी समन्वय के माध्यम से प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और नागरिक उड्डयन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। सीमावर्ती और रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में उभरती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए यह समीक्षा महत्वपूर्ण है। बैठक में ड्रोन से संबंधित चुनौतियों, तोड़फोड़ रोधी उपायों और आपदा प्रतिक्रिया क्षमताओं सहित उभरते खतरों के खिलाफ तैयारियों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। निम्न ऊंचाई वाले हवाई खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए, सीआईएसएफ ने भारतीय सेना के सहयोग से अपने कर्मियों के लिए चरणबद्ध ड्रोन-विरोधी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। कई विशेष स्थानों पर आयोजित इस कार्यक्रम के तहत कर्मियों को शत्रुतापूर्ण मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएवी) का पता लगाने, उनका पीछा करने और उन्हें निष्क्रिय करने की उन्नत क्षमताएं प्रदान की जाती हैं।

सुकून और सुंदरता
का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।
- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें
खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

रिद्धि डोगरा ने फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं।

रिद्धि ने पोस्ट में शादी पर कही बड़ी बात

रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।'

रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए।

असली फेमिनिज्म का भी मतलब समझाया

रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं। फेमिनिज्म कभी भी पुरुषों को नीचा दिखाने के बारे में नहीं था। महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ ही पूरक हैं।'

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है।

अपने किरदार के बारे में खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया।'

अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था? ' इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं। '

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के ईर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।' अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।'

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी। '

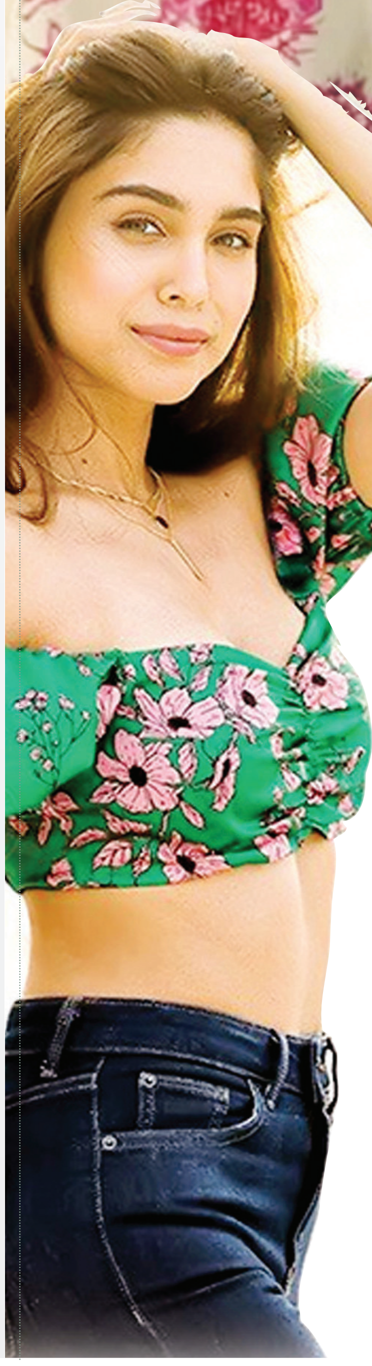

शरवरी वाघ ने इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ' 'हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ' 'इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं। वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।''

शरवरी ने कहा, ' 'मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।'' उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ' 'उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी

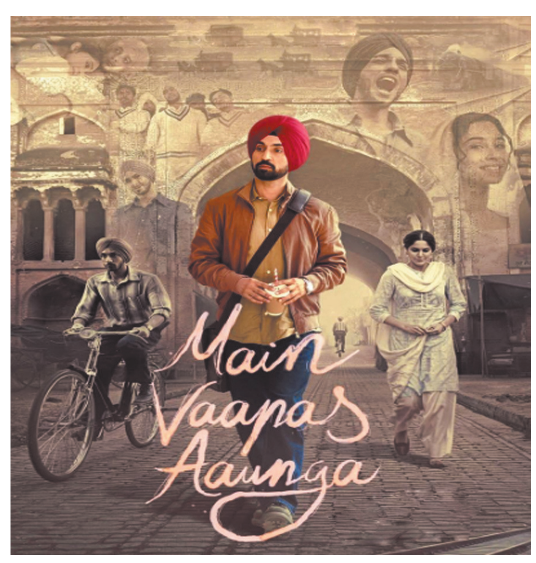

के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है। इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ' 'मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शक्तिमान पर आधारित नहीं है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

90 और 2000 के दशक में बच्चों के लोकप्रिय शो 'शक्तिमान' की आज भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि काफी वक्त से शक्तिमान पर फिल्म बनाने की चर्चाएं भी चल रही हैं। रणवीर सिंह का नाम भी इसके लिए आगे आता रहा है, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर के नाम पर सहमत नहीं हुए। इस बीच ऐसी भी चर्चाएं सामने आईं कि अल्लू अर्जुन की बेसिल जोसेफ के साथ मच अवेटेड आगामी फिल्म 'शक्तिमान' पर ही आधारित है। बेसिल इससे पहले 2021 में आई टोविनो थॉमस की सुपरहीरो फिल्म 'मिन्नल मुरली' बना चुके हैं। यह फिल्म काफी सफल रही थी। हालांकि, खबरों के वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने अल्लू अर्जुन की इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। निर्देशक अरुण अनिरुधन, जिन्होंने टोविनो और बेसिल की हालिया फिल्म 'अथिराडी' का निर्देशन किया है, ने फिल्म निर्माता-अभिनेता के साथ शक्तिमान पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'पॉलसन (स्कारिया) और मैं बेसिल की अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे थे। दुर्भाग्य से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई। शक्तिमान एक बहुत बड़ी फिल्म बनने वाली थी। मुझे नहीं पता कि यह बनेगी या नहीं, मामला काफी पेचीदा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है वह शक्तिमान है? इस पर निर्देशक ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नहीं, इसका शक्तिमान से कोई संबंध नहीं है। यह कुछ अलग है। फिल्म से जुड़े सभी अपडेट जल्द ही साझा किए जाएंगे।

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को बताया शक्तिमान के लिए परफेक्ट

अल्लू अर्जुन के शक्तिमान का रोल करने की चर्चाएं इसलिए भी उठती रहती हैं, क्योंकि मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को इसके लिए सबसे उपयुक्त बताया था। जबकि मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह का शक्तिमान के तौर पर खुला विरोध किया था। साल 2024 में मुकेश खन्ना ने कहा था, 'मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अल्लू अर्जुन शक्तिमान बन सकते हैं।

मेरी जिंदगी का मंत्र है ऑथेंसिटी इज पावर और मैं ऑथेंटिक ही रहना चाहती हूं

बहुप्रशंसित फिल्म '12वीं फेल' में अपनी अदायगी के लिए सराही गईं ऐक्ट्रेस मेधा शंकर हाल ही में रोमांटिक कॉमिडी फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 में मुख्य भूमिका में नजर आईं। एक खास मुलाकात में हमने उनके फिल्मी सफर, मौजूदा पैप कल्चर, शादी, आदर्श पार्टनर जैसे कई विषयों पर चर्चा की:

लड़कियों को अक्सर कपड़ों, बिंदास एटीट्यूट के लिए जज किया जाता है, जैसा कि फिल्म में गिन्नी के साथ भी होता है। जब आपने ऐक्टिंग को करियर चुना तो घर में क्या प्रतिक्रिया रही? कोई मानदंड भी तय किए गए थे?

मेरे साथ ये हुआ कि दुर्भाग्य से मैं पढ़ने में अच्छी थी। दुर्भाग्य इसलिए क्योंकि मेरे पापा कहते थे कि अरे, ऐक्टर तो वे बनते हैं जो पढ़ाई में कमजोर में होते हैं। तुम्हें क्यों ऐक्टर बनना है? इस चक्कर में मुझे मास्टर्स भी करना पड़ा क्योंकि मेरी रैंक अच्छी आई थी। फिर पापा चाहते थे कि मैं जॉब भी कर लूं पर मैंने कहा कि सॉरी, तो पापा बिल्कुल खिलाफ थे। वैसे भी, जब आप बाहर से आते हैं तो इंडस्ट्री के प्रति नजरिया भी बहुत अच्छा नहीं होता। सबको लगता है कि यहां कुछ गंदा ही होगा मगर जब आप करीब जाते हैं तो लगता है कि यार, ऐसा क्यों बोल रहे थे लोग। ऐसा तो बुरा नहीं है। हालांकि, मेरी मॉम और भाई बहुत सपोर्टिव थे। मॉम को तो लगता था कि उनकी ही बेटी ऐश्वर्या राय है, लेकिन अब पापा की सोच भी बहुत बदल चुकी है।

लड़की होने के नाते शादी को लेकर कभी कोई दबाव रहा?

मेरे घर पर तो इतना कुछ नहीं रहा। हां, 12वीं फेल के पहले रिश्तेदार जरूर थोड़ा कहते थे कि अब शादी कब कर रही हो, मगर मैं इन चीजों को कभी सीरियसली नहीं लेती, जब तक कि मेरे पापा नहीं कहते और पापा की ओर से ऐसा दबाव अब तक नहीं रहा। मेरे पापा की सोच यह है कि अच्छा इंसान मिले तो ही शादी करो। जल्दबाजी में गलत इंसान से शादी नहीं करना, उन्हें यह फिक्र ज्यादा रहती है।

आपके पार्टनर में कौन सी खूबियां होना अनिवार्य है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या है?

मेरे हिसाब से कोई भी पूरी तरह ग्रीन फ्लैग या रेड फ्लैग नहीं होता। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो उसें कुछ खूबियां होंगी, कुछ कमियां भी होंगी। आपको दोनों को अपनाकर प्यार करना होता है। फिर किसी भी रिश्ते में हम थोड़ा ठोंक-पीटकर ही साथ आते हैं। ऐसा नहीं होता कि आप पूरी तरह एक दूसरे में फिट हो जाएं। हां, ये जरूर है कि उसमें बहुत शिद्दत से प्यार करने की क्षमता और रिश्ता निभाने की ताकत हो। मुझे लगता है कि प्यार करना आसान होता है, मगर आज के दौर में वो रिश्ता निभाने की ताकत बहुत कम है।

पैप कल्चर को लेकर क्या अनुभव रहा है?

जब 12वीं फेल इतनी बड़ी हिट हुई थी, तब मेरा कोई पीआर नहीं था, कोई एजेंसी नहीं थी। मुझे लगता है कि ये जो लोगों का रियल प्यार होता है न, वो पीआर फैब्रिकेट नहीं कर सकते हैं। हो सकता है लोग करते हो लेकिन मुझे नहीं पता। मेरे साथ जब हुआ तो मुझे नहीं पता कि वो इतना प्यार कहां से आया, पर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी जिंदगी का एक मंत्र है कि ऑथेंसिटी इज पावर (रियल रहना असल ताकत है) और मैं ऑथेंटिक रहना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मैं जो हूं, कमाल हूं। मुझे कोई और बनने की जरूरत नहीं है। लोग कहते हैं कि ये तो करना ही पड़ता है। मुझे किसी ने बोला कि तुम्हें ज्यादा विजिबल होना पड़ेगा। ये इतना बड़ा शब्द है- विजिबिलिटी और मेरा रिएक्शन था कि किधर विजिबल। मुझे बोला कि लोग रील्स के जमाने में हैं, वे भूल जाते हैं तो मुझे ये बड़ा अजीब लगा कि मैंने 12वीं फेल की है, उसे लोग भूल जाएंगे? मैं रेस्त्रां, जिम या इवेंट से निकलते पैप हो जाऊं, तभी विजिबल हूं तो यह एक ऐसी चीज है जो मैं बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। मैं समझती हूं कि सिलेब्रिटी होने का यह भी एक बहुत बड़ा हिस्सा है लेकिन वो मैं अपने हिसाब से करती हूं जो मुझे सही लगता है।

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

ब्रिस्टल (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिय। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे वह हासिल करने में विफल रही और 9 विकेट पर 142/9 रन ही बना सकी और उसे इंग्लैंड के हाथों 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इस मैच में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी। मध्यक्रम में बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से निचले क्रम पर अधिक दबाव आ गया। मैच के बाद हरमनप्रीत ने हार का कारण मध्यक्रम के विफल होने को माना है। उन्होंने माना कि यदि बल्लेबाज एक दो रन लेते रहती हो परिणाम कुछ और होता। इस हार के साथ ही तीन मैचों की ञ्20 सीरीज में अब दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी प आ गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 2 जून को टॉन्टन में खेला जाएगा, जो सीरीज विजेता का फैसला करेगा।

सात्विक-चिराग ने जीता सिंगापुर ओपन का खिताब, रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने रविवार को पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां BWF विश्व टूर खिताब है।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे।

सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी। कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया।

यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही। उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त किम वोन-हो तथा सियो सेउंग-जे की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्राई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईढ्ढ) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से

होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में

त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये

मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी।

भारत ए टीम इस प्रकार है

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर,

गुजरात के सामने दीवार बनकर खड़े हुए कोहली

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एक बार फिर साबित किया कि जब बड़े मंच पर प्रदर्शन की बात आती है तो वह सबसे आगे रहते हैं। कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए दमदार पारी खेली। कोहली ने आईपीएल का अपना सबसे तेज पचासा लगाया और आरसीबी को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाया। गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 155 रन बनाए थे। जवाब में आरसीबी ने 18 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीता। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी के लिए कोहली के साथ वेंकटेश अय्यर पारी की शुरुआत करने उतरे। वेंकटेश इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे थे। इन दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से खेलना शुरू किया और गुजरात के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। वेंकटेश और कोहली के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई, लेकिन पांचवें ओवर में मोहम्मद सिराज ने वेंकटेश को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। वेंकटेश 16 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल (1), कप्तान रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पांड्या (1) के विकेट गंवाए। आरसीबी ने 91 के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे और लग रहा था कि यहां से गुजरात मैच फंसा सकती है, लेकिन सामने कोहली खड़े थे और उन्होंने गुजरात के गेंदबाजों का बेहतरीन तरीके से सामना किया। कोहली और डेविड के बीच पांचवें विकेट के लिए 31 गेंदों पर 41 रनों की साझेदारी हुई। अरशद खान ने डेविड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा जो 17 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। कोहली इसके बाद भी अपनी पारी आगे बढ़ाते रहे। 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर कोहली ने अरशद खान की गेंद को हवा में खेला, लेकिन गिल ने शॉर्ट मिडऑफ पर कैच लपका। अंपायर ने आउट दिया, लेकिन कोहली को यकीन था कि गेंद मैदान से छू गई है। कोहली आक्रामक अंदाज में आगे बढ़े और उन्होंने तीसरे अंपायर के पास जाने की मांग की। पहले मैदानी अंपायर उनसे बात करने पहुंचे। कोहली इस दौरान गुस्से में नजर आए और उन्होंने गिल से भी कहा कि गेंद मैदान को छू चूकी है। अंत में अंपायर ने तीसरे अंपायर के पास जाने का फैसला लिया। वीडियो में दिखा की गिल ने कैच पकड़ी, लेकिन गेंद मैदान को छू गई थी। इस तरह कोहली नॉटआउट करार दिए गए। कोहली अंत तक टिके रहे और उन्होंने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली 42 गेंदों पर नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 75 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि जितेश शर्मा 11 रन बनाकर नाबाद लौटे। गुजरात के लिए राशिद खान ने दो विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और अरशद खान को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया, लेकिन गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के मददगार मानी जाती है, लेकिन गुजरात के बल्लेबाज इस पिच पर संघर्ष करते नजर आए। सिर्फ वाशिंगटन सुंदर ही बड़ी पारी खेल सके जिन्होंने खुद को मिले जीवनदान का फायदा उठाया और अर्धशतक लगाने में सफल रहे। गुजरात की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम के आधे बल्लेबाज 100 से भी कम के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। गुजरात का शीर्ष क्रम उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है, लेकिन इस मैच में शीर्ष तीन बल्लेबाज फ्लॉप साबित रहे। हालांकि, फाइनल में जोस बटलर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे क्योंकि तीसरे नंबर पर निशांत सिद्धू बल्लेबाजी के लिए आए थे। गुजरात को जोश हेजलवुड ने कप्तान शुभमन गिल को आउट कर पहला झटका दिया जो 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पावरप्ले में ही टीम ने साई सुदर्शन का विकेट गंवाया जिन्हें भुवनेश्वर कुमार ने अपना शिकार बनाया। सुदर्शन 12 रन ही बना सके। फिर निशांत सिंद्धू (20), जोस बटलर (19) और अरशद खान (15) रन बनाकर पवेलियन लौटे। गुजरात के लिए राहत की बात यह रही कि वाशिंगटन सुंदर को जीवनदान मिला। 10वें ओवर में जैकब डफी की गेंद पर सुंदर ने शॉट लगाया। बाउंड्री पर सबस्टीट्यूट प्लेयर के तौर पर मैदान पर मौजूद रहे कॉक्स थे। उन्होंने भागकर कैच पकड़ा, लेकिन गेंद मैदान से छू गई।